पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

'मुझे भाषा बोलने के लिए मजबूर मत करो'

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

उल्हास विकास

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

■ वर्ष : 45 ■ अंक : 270 ■ गुरुवार 22 जनवरी 2026 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

epaper.ulhasvikas.com

आज महापौर आरक्षण की होगी घोषणा

शिवसेना ने बहुमत का गट बनाया

उल्हासनगर में महायुति का महापौर -सांसद श्रीकांत शिंदे

■ सभी शिवसेना नगरसेवक बस द्वारा कोकण भवन पहुंचे

उल्हासनगर। उल्हासनगर महानगरपालिका में किसी भी पक्ष को पूर्ण बहुमत न होने के कारण सत्ता का पेंच अटका हुआ है। यह पेंच आज महापौर आरक्षण ड्रा के बाद खुलने की उम्मीद है। एक तरफ शिवसेना बहुमत का आंकड़ा छू चुकी है तो वहीं उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे व सांसद श्रीकांत शिंदे द्वारा महायुति के महापौर की घोषणा के बाद भाजपा में भी हलचल तेज हो गई है। अब शिवसेना व भाजपा ने महापौर दावेदारों की सूची बनाना शुरू कर दिया है।

वहीं कल मंगलवार को नवी मुंबई स्थित कोंकण भवन में शिवसेना के सभी नगरसेवक एक साथ बस पहुचे और ऑफिशियल रजिस्ट्रेशन में शिवसेना ने 40 नगरसेवकों की ताकत दिखाकर बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया। शिवसेना नेता अरुण आशान को शिंदे सेना का ग्रुप लीडर बनाया गया है, जिससे शिवसेना का महापौर बनने का रास्ता साफ हो गया है।

उल्हासनगर महानगरपालिका में सत्ता में आने के लिए 40 का मैजिक फिगर चाहिए। चुनाव नतीजों के बाद किसी भी एक पार्टी को साफ बहुमत नहीं मिला। मनपा में पार्टी की ताकत इस तरह है: BJP-37, शिंदे सेना-36, वंचित बहुजन आघाडी- 2, साई पक्ष-1, कांग्रेस-01, अपक्ष-01. BJP के पास 37 नगरसेवक होने की वजह से वह सत्ता के करीब थी, लेकिन शिंदे सेना दूसरी छोटी पार्टियों और अपक्ष को अपनी तरफ करने में काफी असरदार रही।

शिंदे सेना- 36, वंचित बहुजन आघाडी 2, साई पक्ष 1 और 1 निर्दलीय ने शिंदे सेना को सपोर्ट किया। इस गठबंधन के साथ, शिंदे सेना की कुल ताकत 40 तक पहुंच गई है। 40 नगरसेवकों के ग्रुप को कोंकण भवन में ऑफिशियली शिवसेना के तौर पर रजिस्टर किया गया। यह जानकारी नए चुने गए गट नेता अरुण आशान ने दी।

महापौर पद का रास्ता साफ

BJP के 37 सीटों पर अटकने और शिवसेना के 40 के बहुमत के निशान तक पहुंचने के साथ, उल्हासनगर के महापौर पद के लिए शिवसेना का दावा अब मजबूत हो गया है। इससे BJP के सत्ता से बाहर रहने की संभावना है और ऐसे संकेत हैं कि शिवसेना अब शहर में सत्ता में आएगी।

अरुण आशान शिवसेना गट नेता बने

पैनल 15 में भाजपा के बोडारे का सफाया करने वाले शिवसेना नेता अरुण आशान को शिवसेना का गट नेता बनाया गया है। मनपा में पार्टी की पॉलिसी को लागू करने और 40 नगरसेवकों के ग्रुप को लीड करने की अहम ज़िम्मेदारी इनके कंधों पर होगी। आशान ने साफ कह दिया है कि 100 प्रतिशत शिवसेना का ही महापौर होगा।

उल्हासनगर महापालिका में महिलाओं का दबदबा

■ 45 महिलाएं बैठेंगी मनपा सभागृह में

■ पुरुषों की संख्या मात्र 33

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगर पालिका के चुनाव नतीजों ने शहर की पॉलिटिक्स में इतिहास रच दिया है। इस बार, 78 सदस्यों वाली असेंबली में महिलाओं ने जीत हासिल की है, जिसमें 45 महिला उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है, जिससे पुरुषों के दबदबे वाली पॉलिटिक्स का ढांचा टूट गया है। इसकी तुलना में, सिर्फ़ 33 पुरुष उम्मीदवार ही सफल हुए। बैलेट बॉक्स से निकला यह वोट सिर्फ़ सत्ता में बदलाव के बारे में नहीं है, बल्कि यह साफ़ तौर पर दिखाता है कि वोटरों का महिला लीडरशिप में कितना मज़बूत भरोसा है।

चुनावों में, अलग-अलग पॉलिटिकल पार्टियों ने महिलाओं को बड़ी संख्या में मौके दिए और वोटरों ने भी उस फ़ैसले पर अपनी मंज़ूरी दी। सिर्फ़ रिज़र्वेशन तक ही सीमित नहीं, बल्कि कई वार्डों में ओपन सीटों पर भी महिलाओं ने ज़बरदस्त जीत हासिल की। घर-घर जाकर कैंपेनिंग, स्थानीय मुद्दों की गहरी जानकारी, सामाजिक कमिटमेंट और विकास के लिए साफ़ भूमिका का महिलाओं को सीधा फ़ायदा मिला। खास बात यह है कि इस नतीजे से महापालिका सभागृह में फ़ैसले लेने की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव आने की उम्मीद है। उम्मीद है कि सफ़ाई, पानी की सप्लाई, हेल्थ, एजुकेशन, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, साथ ही नागरिक सुविधाओं जैसे मुद्दों पर ज़्यादा सेंसिटिव, लोगों को ध्यान में रखकर और असरदार फ़ैसले लिए जाएँगे। पॉलिटिकल एनालिस्ट के मुताबिक, यह नतीजा सिर्फ़ उल्हासनगर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि लोकल सेल्फ़-गवर्नमेंट बॉडीज़ में बदलती पॉलिटिक्स का इशारा है। इस चुनाव से यह मैसेज साफ़ तौर पर सामने आया है कि महिलाएँ सिर्फ़ रिप्रेज़ेंटेटिव नहीं हैं, बल्कि डिसाइसिव लीडर हैं। नागरिक उम्मीद कर रहे हैं कि महिलाओं की लीडरशिप वाली हाउस आने वाले समय में डेवलपमेंट, ट्रांसपेरेंसी और सोशल जस्टिस की दिशा में और ठोस कदम उठाएगी।

अमर शहीद हेमू कालाणी के शहीदी दिवस पर उल्हासनगर व्यापारी एसोसिएशन की तरफ से स्थानीय कैंप 4 स्थित शहीद हेमू कालानी की प्रतिमा माल्यार्पण किया गया. कार्यक्रम में कई सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों ने फूलमाला अर्पण कर आदरांजलि दी जिसमें उल्हासनगर व्यापारी एसोसिएशन अध्यक्ष जगदीश-तेजवानी, उल्हासनगर भाजपा अध्यक्ष राजेश वधारिया, दीपक वाटवाणी, सहित कई गणमान्य नागरिकों ने अपने विचार व्यक्त किए.

राजेंद्रसिंह भुल्लर महाराज ने सातवीं बार जीत हासिल की

उल्हासनगर. सत्ता बदलती है, समीकरण उलट-पुलट होते हैं, लेकिन कुछ नाम ऐसे होते हैं जिनके पीछे जनता का भरोसा हमेशा खड़ा रहता है। उल्हासनगर महानगरपालिका की राजनीति में जिस नाम ने इतनी मजबूत जगह बनाई है, वह है राजेंद्रसिंह भुल्लर महाराज...! उन्होंने एक बार फिर महानगरपालिका में शिवसेना के टिकट पर सातवीं बार नगरसेवक के रूप में जीत हासिल कर अपने राजनीतिक जीवन पर मजबूत छाप छोड़ी है। खास बात यह है कि उनकी पत्नी चरणजीत कौर भुल्लर ने भी जीत की हैट्रिक लगाई और पूरे पैनल के साथ जीत का भगवा फहराया।

1986 से शिवसेना की विचारधारा के प्रति वफादार रहे राजेंद्रसिंह भुल्लर महाराज धर्मवीर आनंद दिघे के कट्टर समर्थक के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने 1992 में आनंद दिघे के नेतृत्व में पहला चुनाव लड़ा और तब से उनका विजय रथ बिना रुके चल रहा है। आनंद दिघे के बाद एकनाथ शिंदे और सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के मार्गदर्शन में उन्होंने उल्हासनगर शहर में शिवसेना की संगठनात्मक ताकत को और मजबूत किया। भले ही पूर्व MLA पप्पू कालानी का कभी अकेले दम पर दबदबा था, लेकिन भुल्लर महाराज पहली बार नगरसेवक चुने गए, उन्होंने सीधे उनके उम्मीदवार को चुनौती दी।

ट्रेन यात्रियों का सामान चुराने वाला गिरफ्तार

ठाणे. लंबी दूरी की ट्रेनों में यात्रियों के बैग और पर्स से गहने चुराने के आरोप में राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने उत्तर प्रदेश के कानपुर निवासी विनय रमेशचंद्र सोनी नामक 38 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने उसके पास से 21 लाख रुपये से अधिक की कीमती वस्तुएं बरामद की है.

जीआरपी की विशेष कार्य बल के वरिष्ठ निरीक्षक विजय खेड़कर ने बताया कि आरोपी रात की यात्राओं के दौरान रेलवे यात्रियों के थैले, ट्रॉली बैग और पर्स चुराने के कई मामलों में शामिल रहा है. उन्होंने बताया कि जून 2025 में महाराष्ट्र के ठाणे जिले के कल्याण रेलवे पुलिस थाने में शिकायत दर्ज होने के बाद जांच शुरू की गई थी.

संजय पाटिल हत्याकांड की जांच SIT करेगी

■ कोर्ट ने इस जांच के लिए 12 हफ़्ते की सख्त डेडलाइन तय की

■ ठाणे पुलिस आयुक्त को समय में जांच पूरी करने का निर्देश

अंबरनाथ. संजय पाटिल की बेरहमी से हत्या के मामले में डेढ़ साल बाद एक बड़ा मोड़ आया है और हाई कोर्ट के सख्त आदेश के बाद इस अपराध की जांच के लिए एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) बनाई गई है।

संजय पाटिल की 22 अक्टूबर, 2024 की रात को 32 चाकू घोंपकर बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। इस मामले में मृतक की पत्नी विद्या पाटिल ने गंभीर आरोप लगाया था कि स्थानीय शिवाजीनगर पुलिस ने जांच में देरी की और ठोस सबूत होने के बावजूद आरोपियों को गिरफ्तार किए बिना मामले को दबाने की कोशिश की। स्थानीय पुलिस के इस रवैये के कारण, मृतक के बेटे हार्दिक पाटिल ने आखिरकार मुंबई हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने स्थानीय पुलिस द्वारा अब तक की गई जांच की कड़ी आलोचना की। कोर्ट ने अब मर्डर जैसे गंभीर क्राइम की जांच के लिए डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस रैंक के IPS ऑफिसर को अपॉइंट करने का ऑर्डर दिया है, और यह काम इकोनॉमिक ऑफेंस ब्रांच के डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस पराग मनेरे को सौंपा गया है। खास बात यह है कि कोर्ट ने इस जांच के लिए 12 हफ़्ते की सख्त डेडलाइन तय की है और ठाणे पुलिस कमिश्नर को इस समय में जांच पूरी करने का निर्देश दिया है।

सड़क पर 32 बार चाकू घोंपकर बेरहमी से हत्या

मृतक संजय श्रीराम पाटिल अपने परिवार के साथ अंबरनाथ के दुर्गा देवी पाड़ा इलाके में रहता था। आरोपी भी उसी इलाके में रहता है। इसके अलावा, 19 साल पहले संजय ने अंबरनाथ ईस्ट इलाके में एडिशनल MIDC में शांताराम पाटिल से करीब 5 एकड़ जमीन खरीदी थी। लेकिन, शांताराम पाटिल ने वह जमीन दूसरे लोगों को बेच दी थी, इसलिए आरोपी विलास पाटिल, सूरज विलास पाटिल और हर्ष सुनील पाटिल के बीच जमीन के मालिकाना हक को लेकर विवाद हो गया। इसी जमीन विवाद के चलते 22 अक्टूबर को रात करीब 10 बजे सूरज विलास पाटिल और हर्ष सुनील पाटिल ने अंबरनाथ ईस्ट इलाके में एम.प्लायर गार्डन बिल्डिंग के सामने सड़क पर संजय श्रीराम पाटिल की धारदार हथियार से हत्या कर दी थी.

जनता नगरसेवकों को माफ नहीं करेगी

सत्ता की खातिर आपसी लड़ाई से शहर विकास कार्य हुआ ठप

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद में विषय समितियों के चुनाव में देरी एवं नगराध्यक्षा द्वारा प्रथम सर्वसाधारण सभा आयोजन में देरी से शहर का विकास कार्य फिर से रुक सा गया है. चर्चा इस बात की हो रही है कि विकास कामों में हो रही देरी का कसूरवार कौन है. लगभग 7 वर्षों तक चुनाव नहीं हुआ. सात वर्षों तक प्रशासकीय राज होने के कारण शहर विकास ठप्प रहा. 7 वर्षों बाद चुनाव होने के बाद नगरसेवक चुन कर आए हैं और वही नगरसेवक सत्ता के लिए नई-नई चालें चल रहे हैं. जिलाधिकारी फिर उच्च न्यायालय फिर जिलाधिकारी से पास गट निर्माण पर निर्णय लेने में देरी से सब परेशान हैं. शहरवासियों ने आरोप लगाया है कि अंबरनाथ विकास आघाड़ी, भाजपा, कांग्रेस एवं शिवसेना-राकांपा (अप) के नगरसेवक एवं उनके नेता ही इसके जिम्मेदार हैं. ऐसा शहरवासियों ने सभी पक्ष के नगरसेवकों पर आरोप लगाया है. आज चुनाव को संपन्न हुए एक महिना बीत गया है. लेकिन शहर विकास कार्य अब तक शुरू नहीं हुआ है. ये शहर के जनता की बदनसीबी नहीं तो और क्या है. नव नियुक्त सभी पक्ष के नगरसेवकों के लिए सोचने का मुकाम है कि सत्ता के लिए जो यह तिकड़म कर रहे हैं, क्या वह सही है. ये गंभीर बात है. 25 दिनों के अंदर नगरसेवकों का कामकाज शुरू हो जाना चाहिए था. लेकिन सभी नगरसेवक कोर्ट कचहरी के चक्कर में लगे हुए है. और कितना समय बरबाद होगा कहा नहीं जा सकता. मसले का हल जल्द से जल्द निकालना जरूरी है. ताकि शहर विकास का कार्य जल्द शुरू हो जाए. नहीं तो अंबरनाथ की जनता सभी पक्ष के नगरसेवकों को कभी माफ नहीं करेगी.

उल्हास नदी फिर से जलकुंभी की चपेट में

■ कर्जत, रायते, कांबा, मोहिली पंपिंग स्टेशनों के पास जलकुंभी जमा

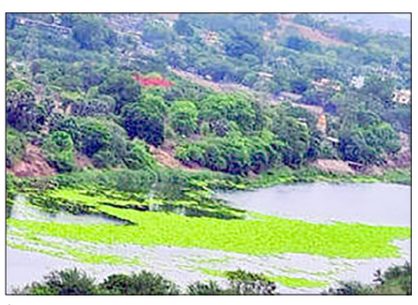

कल्याण. मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, उल्हासनगर, कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका समेत शहरी इलाकों के लोगों की प्यास बुझाने वाली उल्हास नदी जनवरी महीने में ही एक बार फिर जलकुंभी की चपेट में दिखने लगी है। इन परेशान करने वाले जलकुंभी को बढ़ते प्रदूषण का लक्षण माना जा रहा है। इसलिए, ऐसा लगता है कि अब लोगों को गंदे पानी और उससे होने वाली बीमारियों का सामना करना पड़ेगा। नए चुने गए नगरसेवकों के लिए इन जलकुंभियों को हटाना एक बड़ी चुनौती है।

ठाणे जिले के 50/60 लाख से ज़्यादा लोगों को पानी सप्लाई करने वाली उल्हास नदी पिछले कुछ सालों से बड़े पैमाने पर गंदी होने लगी है। आस-पास की फैक्ट्रियों से निकलने वाले केमिकल वाले गंदे पानी और नदी में तेज़ी से बढ़ते पानी के प्रदूषण की वजह से पानी में रहने वाले जीवों का अस्तित्व खतरे में है। कल्याण तालुका में हमेशा बहने वाली चार नदियाँ हैं, उल्हास, बारवी, कालू और भातसा। कल्याण तालुका की सैकड़ों ग्राम पंचायतें और कई मेट्रोपॉलिटन नगर पालिकाएँ उल्हास नदी के पानी पर निर्भर हैं। बदलापुर, कर्जत, अंबरनाथ और कल्याण में आगे, फार्महाउसों से बिना ट्रीट किया हुआ पानी, इमारतों से निकलने वाला सीवेज, केमिकल, जानवरों के अस्तबल, शहरों से निकलने वाला सीवेज, ड्रेनेज लाइन वगैरह सीधे उल्हास नदी में बह रहा है, जिससे पानी का प्रदूषण बढ़ रहा है।

मी कल्याणकर संस्था के अध्यक्ष नितिन निकम, पूर्व कॉर्पोरेटर उमेश बोरगांवकर, कैलाश शिंदे, श्रीनिवास घनेकर, सुदाम गंगावने और दूसरों ने नदी के तल में बैठकर विरोध प्रदर्शन शुरू किया। राज्य सरकार ने 8 दिन बाद मीटिंग की और भरोसा दिलाया कि 15 दिन के अंदर मशीनों से पानी का जमाव हटा दिया जाएगा, तब जाकर आंदोलन खत्म हुआ। आखिर में, ऑटोमेटिक मशीनों से उल्हास नदी के मुहाने पर पानी का जमाव हटाने का काम शुरू किया गया। यह काम महाराष्ट्र पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने किया। हालांकि, अब बदलापुर, रायते और कांबा के पास फिर से पानी जमा होने लगा है। हालात देखकर साफ है कि मार्च महीने में यह हर जगह फैल जाएगा।

उल्हासनगर में 'वंशवाद' को झटका

■ वफादारों को नज़रअंदाज़ करना पड़ा भारी

उल्हासनगर. इस साल के मनपा चुनावों ने राजनीति के एक पुराने लेकिन अनदेखे दर्द को सामने ला दिया। यह साबित हो गया कि अगर वफादारी को नज़रअंदाज़ करके 'भाई-भतीजावाद' को मौका दिया जाए, तो नतीजा बैलेट बॉक्स से ही मिलता है। टिकट बंटवारे में भाई-भतीजावाद को तरजीह दिए जाने से गुस्साए वफादार कार्यकर्ताओं ने बिना किसी हंगामे के सीधे वोटिंग के ज़रिए अपनी नाराज़गी ज़ाहिर की। इस शांत बगावत का सीधा असर पुराने नेताओं पर पड़ा। करोड़ों रुपये की दौलत होने के बावजूद BJP की सबसे अमीर उम्मीदवार हेमा पिंजानी को हार माननी पड़ी। यह नतीजा सिर्फ़ जीत-हार नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक सिस्टम के लिए एक चेतावनी थी।

इस साल के उल्हासनगर मनपा चुनावों में लगातार आरोप लग रहे थे कि राजनीतिक पार्टियों ने ज़मीन पर काम करने वाले वफादार कार्यकर्ताओं के बजाय कुछ खास परिवारों को टिकट देने का रास्ता अपनाया है। BJP, शिवसेना (शिंदे) ग्रुप और सहयोगी पार्टियों के गठबंधन में कुछ नेताओं के परिवारों से तीन-तीन उम्मीदवार उतारे गए थे। नतीजतन, शहर में कार्यकर्ताओं में ज़बरदस्त नाराज़गी थी। प्रचार के दौरान यह नाराजगी बहुत ज्यादा नजर नहीं आई, हालांकि मतदान के दिन यह निर्णायक साबित हुई। इस चुनाव में शिवसेना (शिंदे) गुट, ओमी टोली और साई पार्टी के बीच 35-32-11 का सीट बंटवारा फार्मूला तय हुआ था। हालांकि, इसके साथ ही छह परिवारों से

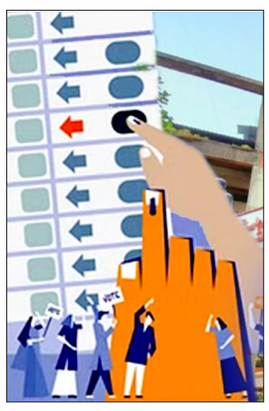

तीन-तीन उम्मीदवार उतारने से 'वंशवाद' का मुद्दा भी सामने आ गया। कार्यकर्ताओं में अलग-थलग पड़ने की भावना इतनी प्रबल थी कि कई जगहों पर पारंपरिक वोट बैंक भी दरक गया।

परिणामों की विस्तृत समीक्षा से पता चलता है कि अधिकांश जगहों पर मतदाताओं ने वंशवाद को नकार दिया। हालांकि शेरी लुंड परिवार ने अपनी पकड़ बनाए रखी। भाजपा से अमर लुंड, शेरी लुंड और कंचन लुंड ने पैनल 16 और 17 में शानदार जीत हासिल कर अपना दबदबा साबित किया। हालांकि, अन्य जगहों पर तस्वीर बिल्कुल अलग थी। लेकिन, उनमें से कोई भी जीत नहीं सका। शिवसेना (शिंदे) ग्रुप से राजेंद्रसिंह भुल्लर ने पैनल 5 और 3 से अपनी पत्नी चरणजीत कौर और बेटे विक्की भुल्लर को मैदान में उतारा था; लेकिन, विक्की भुल्लर को हार माननी पड़ी। कैंप-5 इलाके में, शिंदे शिवसेना के विजय पाटिल ने पैनल 19 और 20 से तीन कैंडिडेट, बेटे विजय पाटिल और भाभी मीनाक्षी पाटिल को मैदान में उतारा था; लेकिन, तीनों को हार का सामना करना पड़ा। BJP के राजू जग्यासी ने अपने भाई और बेटे को मैदान में उतारा था; जिसमें से सिर्फ़ रवि जग्यासी ही जीत पाए। TOK के जमनू पुरसवानी ने भी तीन कैंडिडेट मैदान में उतारे थे; लेकिन, वह सिर्फ़ अपनी सीट बचाने में कामयाब रहे। प्रमोद टाले और उनकी बेटी अक्षता टाले को भी पैनल 18 से हार का सामना करना पड़ा। इसी तरह, पूर्व डिप्टी मेयर भगवान भालेराव और उनकी पत्नी अपेक्षा भालेराव अपनी सीट नहीं बचा पाए। इन सबमें सबसे ज़्यादा चर्चा BJP की सबसे अमीर कैंडिडेट में से एक हेमा पिंजानी की हार की हुई... पैसा, कैंपेन और पहचान होने के बावजूद, वह वोटर्स का भरोसा नहीं जीत पाईं।

कुल मिलाकर, उल्हासनगर के नतीजे ने पॉलिटिकल पार्टियों को साफ़ चेतावनी दी है कि अगर उन्होंने वफ़ादार वर्कर्स को छोड़ दिया और 'वंशवाद' जारी रखा, तो उन्हें बैलेट बॉक्स में इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। यह नतीजा सिर्फ़ सत्ता का बदलाव नहीं है, बल्कि शहर के पॉलिटिकल कल्चर के लिए एक कड़ा मैसेज है।

पूरी दुनिया विश्वास पर टिकी है, अविश्वास से शक पैदा होता है -श्री श्री रविशंकर

उल्हासनगर: ज़िंदगी में विश्वास बहुत ज़रूरी है। विश्वास के लिए ज्ञान और विज्ञान दोनों में विश्वास होना चाहिए। पूरी दुनिया विश्वास पर टिकी है, और अगर अविश्वास हो तो शक पैदा होता है। योग, मेडिटेशन और प्राणायाम हमारी ज़िंदगी में हुनर और काबिलियत लाते हैं। इनसे कोई भी काम सफल हो सकता है। सफलता कुदरती तौर पर ज़िंदगी को और खूबसूरत बनाती है, इन्हीं शब्दों में 'आर्ट ऑफ़ लिविंग' के फाउंडर और मशहूर आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर ने सफल ज़िंदगी का मंत्र दिया।

मंगलवार शाम को उल्हासनगर के गायकवाड़ पाड़ा में 'उल्हास उत्सव' नाम का एक आध्यात्मिक प्रोग्राम ऑर्गनाइज़ किया गया। श्री श्री रविशंकर का प्रवचन सुनने के लिए इलाके से भारी भीड़ जमा हुई थी। स्ट्रेस-फ्री ज़िंदगी, मेडिटेशन और आध्यात्मिक शक्ति पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वास सबसे ज़रूरी चीज़ है। उन्होंने मैसेज दिया कि इंसान की ज़िंदगी में खुशी और शांति पाने के लिए मेडिटेशन का कोई दूसरा ऑप्शन नहीं है।

सिंधी समाज के DNA में बिज़नेस

बंटवारे के समय सिंधी समाज को अपना वतन छोड़ना पड़ा था। लेकिन, आज सिंधी समाज पूरी दुनिया में फैल गया है। बिज़नेस सिंधी समाज के DNA में है। आमतौर पर कहा जाता है कि सिंधी काम करने वाला इंसान नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत का इंसान अपनी नौकरी का मज़ा लेता है।

कॉन्फिडेंस तीन तरह का होता है। दूसरों पर भरोसा करने से ज़िंदगी को रफ़्तार मिलती है। योग करने के लिए मन का साफ़ होना ज़रूरी है। उन्होंने यह भी अपील की कि हम सब भारतीय एक साथ आएं। इस समय, श्री श्री रविशंकर ने भक्तों के पूछे गए सवालों के जवाब दिए। श्री श्री रविशंकर की गुरुवाणी से भक्त मंत्रमुग्ध हो गए। पूरा माहौल आध्यात्मिक हो गया।

महाराष्ट्र के लोग प्रांतवाद छोड़कर देशवासी बन गए हैं। महाराष्ट्र की बड़ी सोच है। पूरे महाराष्ट्र की विट्ठल में आस्था है। उन्होंने यह भी कहा कि पंढरपुर के विठोबा पूरे भारत के देवता हैं।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

पिटाई, भूख और खामोशी

उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में एक बच्ची को घरेलू सहायिका बनाकर रखने तथा उसके साथ मारपीट एवं क्रूरतापूर्ण व्यवहार करने की घटना न केवल मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाली है, बल्कि यह समाज में कुछ लोगों की कुंठित और विकृत मानसिकता को भी उजागर करती है। हैरत की बात है कि यह सब सुरक्षा का जिम्मा संभाले सीआरपीएफ यानी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के रिहाइशी परिसर में हुआ। आरोपी इसी बल का कर्मी है और पुलिस ने उसे और उसकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है।

कहा जा रहा है कि आरोपी ने घरेलू काम के लिए इस बच्ची को अपने आवास पर रखने की आधिकारिक अनुमति नहीं ली थी। ऐसे में सवाल है कि इस मामले में कार्रवाई करने में इतनी देरी क्यों हुई? क्या आसपास रहने वाले दूसरे कर्मियों को इस बात की जानकारी नहीं थी कि उनका कोई सहयोगी एक बच्ची से घर का काम करवाता है और उसके साथ मारपीट करता है?

गौरतलब है कि ग्रेटर नोएडा के सीआरपीएफ परिसर में इस घटना का पता तब चला, जब आरोपी जवान ने अपने आवास पर काम के लिए रखी दस वर्ष की बच्ची को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सीय जांच में बच्ची के शरीर पर कई जख्म पाए गए और उसमें खून की मात्रा भी बहुत कम पाई गई। पूछताछ में पता चला कि आरोपी और उसकी पत्नी इस बच्ची से अक्सर मारपीट करते थे और कई बार भोजन भी नहीं देते थे। यह जानते हुए कि बाल श्रम कराना अपराध है, इसके बावजूद एक बच्ची को घर पर काम के लिए रखना और उसके साथ मारपीट करना, यह किस तरह की मानसिकता को दर्शाता है।

क्या कुछ लोगों के भीतर कानून का खौफ इस कदर खत्म हो गया है? हालांकि सीआरपीएफ ने विभागीय कार्रवाई के तहत आरोपी जवान को निलंबित कर दिया है, लेकिन पीड़ित बच्ची ने जो यातना झेली है, उसकी भरपाई कैसे संभव हो पाएगी। इस सवाल पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि अगर सुरक्षा बल का कोई जवान ही गैरकानूनी और संवेदनहीन कृत्य में संलिप्त हो, तो आम आदमी खुद को कैसे सुरक्षित महसूस करेगा।

विचार : न्याय की प्रतीक्षा में कश्मीरी हिंदू

जनवरी की 19 तारीख आई और चली गई, लेकिन विस्थापित कश्मीरी हिंदुओं की ओर मुश्किल से ही किसी का ध्यान गया। हां, फारूक अब्दुल्ला ने यह कहकर उनके जख्मों पर नमक अवश्य छिड़का कि आखिर कश्मीरी हिंदुओं को अपने घरों को लौटने से किसने रोका है? उनकी मानें तो कश्मीरी हिंदू जब चाहें, तब घाटी लौट सकते हैं और आराम से अपने घरों में रह सकते हैं, पर यह सच नहीं। कश्मीर का माहौल अभी ऐसा नहीं कि कश्मीरी हिंदू बिना किसी भय-आशंका के अपने घरों को लौट सकें। 19 जनवरी, 1990 को कश्मीरी हिंदुओं के पलायन दिवस के तौर पर जाना जाता है।

वैसे तो कश्मीर से कश्मीरी हिंदुओं का पलायन 1990 के पहले ही शुरू हो गया था, लेकिन इस वर्ष की 19 जनवरी वह तिथि थी, जब उनका सामूहिक तौर पर बड़ी संख्या में पलायन हुआ। 36 वर्ष बीत गए हैं, लेकिन उनके अपने घरों को लौटने की कोई सूरत नहीं और अब तो वे इसकी उम्मीद भी छोड़ चुके हैं, क्योंकि जम्मू-कश्मीर से विभाजनकारी अनुच्छेद 370 और 35 ए हटने के बाद भी उनकी वापसी की कोई सही राह नहीं निकल पा रही है। इसलिए नहीं निकल पा रही है, क्योंकि आतंकवाद में कमी आने के बाद कश्मीर का माहौल वैसा नहीं कि कश्मीरी हिंदू निश्चिंतता के साथ वहां लौटने का सोच सकें। वे ऐसा इसलिए नहीं सोच पा रहे हैं, क्योंकि कश्मीर में जब-तब उन्हें निशाना बना लिया जाता है।

5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 हटने के बाद से करीब पांच हजार कश्मीरी हिंदुओं को

प्रधानमंत्री विकास पैकेज के तहत सरकारी नौकरियां प्रदान की गईं, लेकिन उनमें से कई सुरक्षा के भय से फिर से पलायन कर गए। आज कश्मीर में कश्मीरी हिंदुओं की कुल आबादी दस हजार से भी कम है। इसके बाद भी कोई न तो कश्मीरियत की बात करता है और न ही इंसानियत की। जम्हूरियत की बात अवश्य होती है। फारूक अब्दुल्ला ने कश्मीरी पंडितों को अपने घरों को लौटने के मामले में यह भी कहा कि वैसे अब उनकी स्थायी वापसी मुश्किल है, क्योंकि वे देश के अन्य हिस्सों में बस चुके हैं और उनके बच्चे पढ़ाई और रोजगार में व्यस्त हैं।

यह एक हद तक सच भी है, विस्थापित कश्मीरी हिंदुओं के जो बच्चे देश-विदेश में रह रहे हैं, उनका कश्मीर से उतना जुड़ाव नहीं है जितना उनके माता-पिता का है, क्योंकि उनमें से अनेक के पास वहां की यादें ही नहीं हैं। इनमें से तमाम कश्मीर के बाहर जम्मू, दिल्ली या देश के अन्य शहरों में पैदा हुए और पले-बढ़े, लेकिन एक सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 62 प्रतिशत विस्थापित कश्मीरी हिंदू सुरक्षा की गारंटी मिलने पर अपने घरों को लौटना चाहते हैं। इसके बाद भी पिछले पांच वर्षों में 610 कश्मीरी हिंदुओं को ही उनकी जमीनें वापस दिलाई जा सकी हैं। अनेक कश्मीरी हिंदू ऐसे हैं, जो अपने घरों को संरक्षित देखना चाहते हैं, ताकि वे कभी वहां जाकर कुछ समय बिता सकें और अपनी जड़ों से जुड़ सकें। वे इसलिए अपनी जड़ों से जुड़े रहना चाहते हैं ताकि उनकी संस्कृति संरक्षित रहे।

1989-90 में कश्मीर में जब आतंकवाद अपने चरम पर था और वहां कश्मीरी हिंदुओं के खिलाफ खौफनाक नारे लग रहे थे और उन्हें चुन-चुन कर मारा जा रहा था, तब कितने कश्मीरी हिंदुओं और सिखों ने अपना घर-बार छोड़ा, इसकी संख्या को लेकर मतभेद है, लेकिन यह तथ्य है कि अपनी बचाकर भागे करीब 50 हजार कश्मीरी हिंदू जम्मू के शरणार्थी शिविरों में लंबे समय तक रहे। इससे बड़ी त्रासदी और कोई नहीं कि कोई अपने ही देश में शरणार्थी बन जाए, लेकिन कश्मीरी हिंदुओं के साथ ऐसा ही हुआ।

यह स्थिति राष्ट्रीय शर्म का विषय बननी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कश्मीरी हिंदुओं के पलायन के लिए कौन जिम्मेदार है, यह प्रश्न प्रायः राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप में गुम हो जाता है, लेकिन सच यह है कि उन्हें न्याय दिलाने के लिए जैसी सामूहिक राजनीतिक इच्छाशक्ति प्रदर्शित की जानी चाहिए थी, उसका अभाव ही व्याप्त रहा। इस अभाव के कारण कानून के शासन को नीचा देखना पड़ा और न्याय का उपहास उड़ा। इसके साथ ही इससे आतंकियों को बल मिला। उन्हें यह संदेश गया कि वे भारत के शासन को झुकाने में सफल रहे।

केवल आध्यात्मिक प्राप्ति ही स्थाई उपलब्धि है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

नाम, उम्र, उपनाम... और वोट का सवाल

निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के संदर्भ में एक सबसे अहम अपेक्षा यह रही है कि इसे पूरी तरह पारदर्शी होना चाहिए। कई तरह के विवादों के बीच विपक्षी दलों की ओर से उठाई गई एक प्रमुख मांग भी यही है। इस मसले पर निर्वाचन आयोग की यही दलील रही है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य अपात्र लोगों को बाहर करना है। इसमें स्थान बदलने वाले लोगों से लेकर वैसे लोग भी शामिल होंगे, जिनकी मौत हो चुकी है।

इस घोषित मकसद से किसी को आपत्ति नहीं होगी, लेकिन अलग-अलग राज्यों में मतदाता सूची से जितनी बड़ी तादाद में लोगों के नाम बाहर होने की खबरें आईं हैं, उसे लेकर कई सवाल उठे हैं। इसकी जड़ में मुख्य कारण इस समूची प्रक्रिया में अपेक्षित पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं किया जाना हो सकता है और इसीलिए आम नागरिकों के बीच तमाम आशंकाएं उभरीं। अगर एसआइआर की प्रक्रिया को शुरू से आखिर तक पूरी तरह पारदर्शी बनाने की व्यवस्था की जाती, तो संभवतः अनावश्यक विवाद नहीं खड़े होते। अब सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के संदर्भ में यह स्पष्ट निर्देश दिया है कि इस समूची कवायद में तार्किक विसंगतियों की श्रेणी में रखे गए

मतदाताओं का सत्यापन पूरी तरह पारदर्शी ढंग से हो और इससे लोगों को अनावश्यक तनाव तथा असुविधा न हो। गौरतलब है कि पुनरीक्षण की प्रक्रिया के दौरान ऐसी तमाम शिकायतें सामने आईं कि मनमाने तरीके से नागरिकों के नाम बाहर किए गए। कई जगहों पर लोगों को समय पर इसकी जानकारी भी नहीं हुई और उनका नाम मतदाता सूची से हट गया। जाहिर है, निर्वाचन आयोग की ओर से यह प्रक्रिया जिस स्तर पर चलाई गई, उसमें मतदाता सूची से बाहर होने वाले लोगों को सूचित करने और उन्हें अवसर देने को लेकर सवाल उठे।

पश्चिम बंगाल में भी चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान नाम, उपनाम, आयु में गड़बड़ी आदि की वजह से करीब एक करोड़ पच्चीस लाख मतदाताओं को तार्किक विसंगति नोटिस जारी किया था। इस संदर्भ में शीर्ष अदालत ने आयोग को निर्देश दिया कि वह किसी भी तरह की गड़बड़ी वाली मतदाता सूची को ग्राम पंचायत भवन, प्रखंड कार्यालय और वार्ड कार्यालय में सार्वजनिक तौर पर लगाए, ताकि लोगों को पता चल सके।

सवाल है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को पूरी तरह पारदर्शी बनाने का जो काम निर्वाचन आयोग को अपनी प्रक्रिया में प्राथमिक स्तर पर खुद ही अनिवार्य रूप से शामिल करना चाहिए था, उसके बारे में सुप्रीम कोर्ट को निर्देश देने की जरूरत क्यों पड़ रही है। तार्किक विसंगति के दायरे में आए सभी नामों को सार्वजनिक करने के अलावा मतदाता सूची में नाम होने के लिए जरूरी दस्तावेजों में आधार कार्ड शामिल करने को लेकर भी सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था।

सच यह है कि बिहार सहित देश के जिन राज्यों में मतदाता सूची को दुरुस्त करने की प्रक्रिया संचालित की गई, वहां सबसे अहम सवाल पारदर्शिता को लेकर ही उठे। इससे किसी को भी असहमति नहीं होगी कि चुनाव प्रक्रिया में कोई भी अवैध रूप से हिस्सा न ले और सिर्फ पात्र लोगों को ही मतदान का अधिकार मिले। मगर यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि सभी पात्र लोगों को खुद को सही साबित करने के लिए जरूरी अवसर और सुविधा मिले, ताकि वह मतदान के लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित न हो।

गोलकोंडा किले में मौजूद है वो रहस्यमयी 250kg का धातु

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में स्थित ऐतिहासिक गोलकोंडा किला अपनी भव्य वास्तुकला और अनोखे ध्वनि विज्ञान के लिए

जरा हट के

विश्व प्रसिद्ध है. लेकिन किले की प्राचीरों के बीच एक और विशेष कलाकृति मौजूद है, जो मध्यकालीन भारत की सैन्य भर्ती प्रक्रिया और उन्नत धातु विज्ञान का जीवंत प्रमाण है. यह है Alloy Steel से बना विशाल ब्लॉक, जिसे कुतुब शाही काल में सेना में नए सैनिकों की ताकत परखने के लिए इस्तेमाल किया जाता था.

इतिहासकारों और स्थानीय गाइडों के अनुसार, यह ब्लॉक 15वीं या 16वीं शताब्दी में भर्ती प्रक्रिया का एक अहम हिस्सा था. उस समय सैनिकों की मुख्य जिम्मेदारी युद्ध के मैदान में भारी बंदूकें, तोप के गोले, भाले और रसद उठाना होती थी. भर्ती के दौरान, जो उम्मीदवार इस ब्लॉक को जमीन से उठा पाता, उसे ही सेना में शामिल किया

जाता था. इस प्रकार यह न केवल शारीरिक शक्ति, बल्कि सहनशीलता और तकनीक का भी मानक माना जाता था.

ब्लॉक की बनावट उस समय की गढ़ी हुई इस्पात की तोपों जैसी है स्थानीय गाइड इसे 250 किलोग्राम बताते हैं, जबकि विशेषज्ञों का अनुमान इसके आकार और घनत्व के आधार पर लगभग 130 से 160 किलोग्राम के बीच है. यह उस दौर की मिश्र धातु इंजीनियरिंग और उन्नत तकनीक को दर्शाता है, जिसमें इतनी ठोस वस्तु का निर्माण संभव हुआ. आज के समय में जहां जिम और आधुनिक उपकरण मौजूद हैं, वहीं प्राचीन काल में केवल प्राकृतिक बल और तकनीक ही सर्वोपरि थी. गोलकोंडा के इस ब्लॉक के साथ पर्यटकों के अनुभव भी बेहद रोचक रहे हैं. अक्सर युवा इसे हिला पाने में असमर्थ रहते हैं, लेकिन सही तकनीक और ग्रिप के माध्यम से इसे उठाना संभव है. स्थानीय किस्सों में उल्लेख है कि छोटे बच्चे भी सामूहिक प्रयास और तकनीक का उपयोग कर इसे हिला पाने में सफल हो जाते थे.

राजभोग

खाता-खजाता

सामग्री :

- **दूध:** 1.5 से 2 लीटर
- नींबू का रस या सिरका: 2-3 बड़े चम्मच
- चीनी: 2 कप
- पानी: 3-4 कप
- मैदा या आरारोट: 1 छोटा चम्मच (बाइंडिंग के लिए)
- केसर के धागे: 10-12
- केसर: कुछ धागे
- इलायची पाउडर: आधा छोटा चम्मच
- कटे हुए मेवे: बादाम और पिस्ता

बनाने की विधि :

सबसे पहले एक भारी तले वाले बर्तन में दूध को उबालें। जब दूध में उबाल आ जाए, तो गैस बंद कर दें और उसे 2 मिनट ठंडा होने दें। अब इसमें धीरे-धीरे नींबू का रस मिलाएं जब तक कि दूध फट न जाए और छेना (पनीर) पानी से अलग न हो जाए। अब इसे एक मलमल के कपड़े में छान लें और ऊपर से ठंडा पानी डालें ताकि नींबू की खटास निकल जाए। कपड़े को निचोड़कर छेने का सारा पानी निकाल दें। अब छेने को एक बड़ी थाली में निकालें और हथेली से तब तक मसलें जब तक वह एकदम चिकना (सॉफ्ट) न हो जाए। इसमें बाइंडिंग के लिए

मैदा, इलायची पाउडर और भीगा हुआ केसर मिलाएं। इसे दोबारा अच्छे से गूंध लें ताकि पीला रंग एकसार हो जाए। तैयार छेने के मिश्रण को बराबर भागों में बांट लें। अब एक हिस्सा लें, उसे हल्का चपटा करें और बीच में थोड़े से कटे हुए पिस्ता-बादाम रखें। इसे चारों तरफ से बंद करके गोल आकार दें। ध्यान रहे कि बॉल्स में कोई दरार न हो, नहीं तो उबालते समय वे टूट सकते हैं। एक चौड़े बर्तन या कड़ाही में चीनी और पानी मिलाकर गैस पर रखें। जब पानी उबलने लगे और चीनी घुल जाए, तो इसमें केसर वाला पानी डाल दें। अब उबलती हुई चाशनी में तैयार किए गए राजभोग के बॉल्स एक-एक करके डालें। बर्तन को ढक्कन से ढक दें और तेज आंच पर करीब 10-15 मिनट तक पकने दें। आप देखेंगे कि राजभोग अपने आकार से दोगुने बड़े हो गए हैं। बीच-बीच में अगर चाशनी गाढ़ी होने लगे, तो एक-एक चम्मच गर्म पानी ऊपर से डाल सकते हैं। ठंडा करें और सर्व करें

मेनोपॉज के बाद हड्डियां कमजोर होने की असली वजह

■ सिर्फ कैल्शियम और विटामिन-डी काफी नहीं हैं

लाखों महिलाएं रजोनिवृत्ति के बाद हड्डियों की कमजोरी के चलते दर्द, बार-बार फ्रैक्चर होने जैसी समस्याओं से जूझ रही हैं। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) नई दिल्ली के नए शोध से इसके प्रभावी उपचार की उम्मीद बढ़ गई है। शोध की मानें तो इस बीमारी का कारण कैल्शियम या विटमिन-डी की कमी एकमात्र कारण नहीं है, बल्कि आंत, प्रतिरक्षा तंत्र और हड्डियों का असंतुलन भी जिम्मेदार होता है। एम्स के शोध से लक्षित दवा विकसित करने का रास्ता खुल गया है।

■ समझें बीमारी की असली जड़

रजोनिवृत्ति के बाद हार्मोनल बदलाव आंतों में मौजूद लाभकारी बैक्टीरिया और प्रतिरक्षा तंत्र को प्रभावित करते हैं। इससे हड्डियों को गलाने वाली कोशिकाएं (आस्टियोक्लास्ट) अधिक सक्रिय हो जाती हैं, जिससे हड्डियों की सघनता तेजी से घटने लगती है।

■ शोध ने जगाई उम्मीद

एम्स के शोध में पोस्ट-मैनोपाजल अस्टियोपोरोसिस का एक माडल तैयार कर चूहों पर अध्ययन किया गया। इसमें एक

सुरक्षित प्रो बैक्टीरिया 'बेसिलस कोएगुर्लेस' का प्रयोग किया गया। शोध में पाया गया कि आंतों की सूजन में कमी आई, हड्डियों की घनता में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया। चूहों पर मिले सकारात्मक परिणामों के आधार पर अब मानव स्तर पर क्लीनिकल ट्रायल की तैयारी की जा रही है।

■ हड्डियों का क्षरण हो सकता है कम

बेसिलस कोएगुलेंस आंत में बनने वाले शार्ट चेन फैटी एसिड, खासकर ब्यूटिरेट के स्तर को बढ़ाता है। यही तत्व सूजन नियंत्रित कर हड्डियों का क्षरण धीमा करता है। यही सिद्धांत नई दवा की नींव बनेगा।

■ विशेषज्ञ की राय

डॉ. जेबी शर्मा (पूर्व प्रो. स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, एम्स, दिल्ली) बताते हैं कि आस्टियोपोरोसिस मेनोपाज के बाद महिलाओं में एक साइलेंट बीमारी है। जब फ्रैक्चर होता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। यदि आंत और प्रतिरक्षा तंत्र को लक्ष्य बनाकर दवा विकसित होती है, तो यह इलाज के तरीके में बड़ा बदलाव ला सकती है।

डॉ. रूपेश श्रीवास्तव (बायोटेक्नोलाजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली) बताते हैं कि अध्ययन से यह स्पष्ट है कि पोस्ट मेनोपाजल आस्टियोपोरोसिस केवल कैल्शियम की कमी से होने वाली बीमारी नहीं है। आंत, प्रतिरक्षा तंत्र और हड्डियों के बीच संतुलन बिगड़ने से यह बीमारी जन्म लेती है। चूहों पर मिले सकारात्मक परिणाम भविष्य में एक लक्षित दवा के विकास की मजबूत नींव तैयार करेंगे।

आज का राशिफल

मेष : बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। वरिष्ठ जन सहायता करेंगे। अप्रत्याशित लाभ होगा। यात्रा होगी। व्यावसायिक अथवा निजी काम से सुखद यात्रा हो सकती है। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। दूसरों से न उलझें। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

वृषभ : अप्रत्याशित खर्च होंगे। तनाव रहेगा। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम न लें। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें। भूल करने से विरोधी बढ़ेंगे। कार्यक्षेत्र का विकास एवं विस्तार होगा। उपहार मिल सकता है। संतान की चिंता दूर होगी।

मिथुन : रुका हुआ धन मिल सकता है। निवेश शुभ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोमांस में सफलता मिलेगी, प्रसन्नता रहेगी। स्वयं के ही प्रयासों से जनप्रियता एवं मान-सम्मान मिलेगा। रुका काम समय पर पूरा होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

कर्क : वरिष्ठ जन सहायता करेंगे। रुके कार्यों में गति आएगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रोजगार बढ़ेगा। सतर्कता से कार्य करें। संतान के व्यवहार से सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है। व्यापार में नए अनुबंध आज नहीं करें। आर्थिक तंगी रहेगी।

सिंह : तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। बाहरी सहायता से काम होंगे। ईश्वर में रुचि बढ़ेगी। कामकाज की अनुकूलता रहेगी। व्यावसायिक श्रेष्ठता का लाभ मिलेगा। रोमांस में सफलता मिलेगी, आपसी संबंधों को महत्व दें। पूंजी संचय की बात बनेगी।

कन्या : चोट व रोग से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। दूसरों पर विश्वास हानि देगा। कार्य में बाधा होगी। पत्नी से आश्वासन मिलेगा। स्वयं के निर्णय लाभप्रद रहेंगे। मानसिक संतोष, प्रसन्नता रहेगी। नए विचार, योजना पर चर्चा होगी। दूसरों की नकल न करें।

तुला : घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। कार्यों में विलंब से चिंता होगी। मानसिक उद्विग्नता रहेगी। पारिवारिक जीवन संतोषप्रद रहेगा। प्रेम-संबंधों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक : संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्य के विस्तार की योजनाएं बनेंगी। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी।

धनु : पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। रोजगार में उन्नति एवं लाभ की संभावना है। लाभदायक समाचार मिलेंगे। सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी। व्यापार अच्छा चलेगा।

मकर : शोक समाचार मिल सकता है। काम में मन नहीं लगेगा। विवाद से बचें। मेहनत अधिक होगी। आवास संबंधी समस्या हल होगी। आलस्य न करें। सोचे काम समय पर नहीं हो पाएंगे। व्यावसायिक चिंता रहेगी। संतान के व्यवहार से कष्ट होगा।

कुंभ : घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। कार्य पूर्ण होंगे। आय बढ़ेगी। मनोरंजक यात्रा होगी। प्रसन्नता रहेगी। सहयोगी मदद नहीं करेंगे। व्ययों में कटौती करने का प्रयास करें। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। व्यापार के कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है।

मीन : पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। जोखिम न लें। लाभ होगा। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाएं रखें। आर्थिक अनुकूलता रहेगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा। राज्यपक्ष से लाभ के योग हैं। नई योजनाओं की शुरुआत होगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

जिम छूट जाए, पर नींद नहीं...!

हम अक्सर अपनी डाइट और स्टेप काउंट्स को लेकर बहुत सतर्क रहते हैं, लेकिन नए शोध बताते हैं कि हम सेहत के सबसे जरूरी और जानलेवा स्तंभ को नजरअंदाज कर रहे हैं और वह है हमारी नींद।
अपोलो हॉस्पिटल के सीनियर न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुधीर कुमार के अनुसार, लगातार खराब नींद (6 घंटे से कम) जल्दी मौत का एक बड़ा कारण बन सकती है। यह खतरा खराब खान-पान या फिजिकल एक्टिविटी की कमी से भी ज्यादा गंभीर हो सकता है। आइए, विस्तार से समझते हैं इस बारे में।

■ नींद के दौरान होती है दिमाग की सफाई

न्यूरोलॉजिकल नजरिए से देखें तो नींद केवल आराम नहीं है। जब आप सोते हैं, तो आपके दिमाग का 'वेस्ट क्लीयरेंस सिस्टम' (जिसे गलिम्फैटिक सिस्टम कहा जाता है) सक्रिय हो जाता है। यह सिस्टम दिमाग से 'बीटा-एमिलॉयड' जैसे न्यूरोटॉक्सिन्स या टॉक्सिन्स को बाहर निकालता है। अगर आप पर्याप्त नहीं सोते हैं, तो यह सफाई नहीं हो पाती और आपका दिमाग सचमुच अंदर से 'गंदा' रह जाता है।

■ नींद की कमी का 'ट्रिपल थ्रेट'

नींद की कमी शरीर पर तीन तरह से हमला करती है:

मेटाबॉलिक: यह कोर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) और घ्रेलिन (भूख बढ़ाने वाला हार्मोन) के स्तर को बढ़ा देती है। इससे इंसुलिन रेजिस्टेंस बढ़ता है और मोटापे का खतरा पैदा होता है।

कार्डियोवैस्कुलर: सामान्य रूप से रात में ब्लड प्रेशर कम होना चाहिए, लेकिन नींद की कमी इसे कम नहीं होने देती। इससे दिल पर अनावश्यक दबाव पड़ता है।

न्यूरोलॉजिकल: यह आपकी सोचने-समझने की क्षमता को तेजी से कम करती है और स्ट्रोक का खतरा बढ़ा देती है।

■ डॉक्टर की राय

डॉक्टर का कहना है कि आप नींद के कर्ज को दौड़कर या अच्छी डाइट लेकर नहीं चुका सकते। यानी, अगर आप कम सो रहे हैं, तो जिम में पसीना बहाना या सलाद खाना उस नुकसान की भरपाई नहीं कर सकता। इसके लिए आपको अपने स्लीप साइकिल पर ही काम करने की जरूरत पड़ेगी।

63% स्टूडेंट्स झेल रहे हैं स्ट्रेस

■ पढ़ाई से ज्यादा माता-पिता की उम्मीदों का बोझ बन रहा वजह

परीक्षा की तैयारी में जुटे रिषभ की किताबें तो खुली हैं, मगर दिमाग बंद ही है। तैयारी पूरी है, रिवीजन का ट्रैक भी शेड्यूल के हिसाब से सही है, मगर मुस्कान गायब है। यह तनाव के लक्षण हैं। रिषभ के माता-पिता अपने दोस्तों और रिश्तेदारों से बस यही कहते रहते हैं कि इस बार उनका लाडला पूरे परिवार में अब तक के सबसे ज्यादा अंक लाएगा। रिषभ मुस्कुरा तो देता है, मगर भीतर ही भीतर डर पल रहा है।

यह परीक्षा का डर नहीं, माता-पिता की उम्मीदों का डर है, जो उसने अपने कोचिंग वाले सर से साझा किया। प्रतिस्पर्धा का बढ़ता स्तर, कम समय में ज्यादा सीखने की जद्दोजहद और उस पर माता-पिता की उम्मीदों का बोझ... हालत यह है कि कक्षा में पढ़ने वाला हर दूसरा विद्यार्थी तनाव में जी रहा है। यह सिर्फ अनुमान नहीं बल्कि द स्टूडेंट सिंक इंडेक्स-2026 की रिपोर्ट बता रही है। कक्षा में बैठे हर 10 में से छह बच्चों को विषय या पाठ से संबंधित प्रश्न का कम और चिंता, तनाव या उम्मीदों का दबाव ज्यादा होता है।

■ बढ़ता जा रहा ग्राफ

रिपोर्ट के अनुसार, कक्षा में हर रोज 63 प्रतिशत विद्यार्थी तनाव में

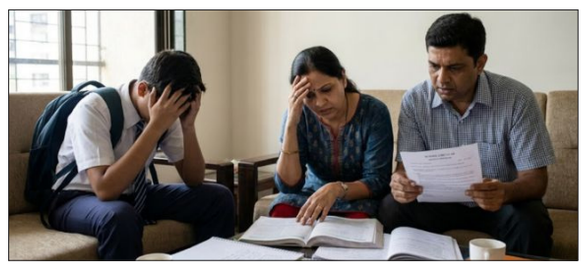

रहते हैं, जिनमें से 42 प्रतिशत ने माना है कि यह दबाव माता-पिता की उम्मीदों का भी है। मुश्किल यह है कि शिक्षक विद्यार्थियों के इस तनाव को पहचानते तो हैं, लेकिन पता होने के बाद भी वे इसमें विद्यार्थियों की ज्यादा मदद नहीं कर सकते, क्योंकि स्कूल काउंसलर या शिक्षक बच्चों को तो समझा सकते हैं, मगर माता-पिता को अपने इस व्यवहार पर स्वयं काम करना होता है।

■ नंबरों की दौड़ में हारता बचपन

द स्टूडेंट सिंक इंडेक्स के हालिया आंकड़े केवल नंबर नहीं, बल्कि हमारी भावी पीढ़ी की चीख हैं। कक्षा में बैठे हर 10 में से छह बच्चों का तनावग्रस्त होना यह बताता है कि हमारे स्कूल 'विद्या के मंदिर' से ज्यादा 'प्रतिस्पर्धा के कुरुक्षेत्र' बनते जा रहे हैं। सबसे दुखद पहलू यह है कि लगभग आधे बच्चे (42%) अपने ही घर... में मानसिक सुरक्षा की जगह दबाव महसूस कर रहे हैं। हम बच्चों को एक ऐसा इन्वेस्टमेंट मान बैठे हैं जिससे हमें भविष्य में बेहतरीन रिटर्न चाहिए। जब तक घर और स्कूल का वातावरण 'गलती करने की स्वतंत्रता' नहीं देगा, तब तक तनाव का यह ग्राफ नीचे नहीं आएगा।

क्या बच्चा अचानक चुप रहने लगा है? क्या उसकी भूख या नींद के पैटर्न में बदलाव आया है? क्या वह चिड़चिड़ा हो रहा है? ये तनाव के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं।

बच्चे के साथ घंटों बैठना जरूरी नहीं है, बल्कि आधा घंटा बिना मोबाइल के, पूरी एकाग्रता से उनके साथ बिताना कहीं ज्यादा प्रभावी है।

यदि बच्चे ने कड़ी मेहनत की है, लेकिन नंबर कम आए हैं, तो भी उसकी मेहनत की तारीफ करें। उसे महसूस होना चाहिए कि आपका प्यार उसके 'रिपोर्ट कार्ड' का मोहताज नहीं है।

दिन भर में कम से कम एक बार ऐसी बातचीत करें, जिसका पढ़ाई या स्कूल से कोई लेना-देना न हो। उनके शौक, उनके दोस्तों या उनकी किसी छोटी सी खुशी पर चर्चा करें।

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

शक्की पति का तांडव, पत्नी, सास-ससुर और साले पर पेट्रोल डालकर लगा दी आग

मुजफ्फरनगर. उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के युवक ने सोमवार की रात सिन्दुरिया थाना क्षेत्र के पिपरा कल्याण गांव स्थित अपनी ससुराल पहुंचकर पत्नी, सास-ससुर और साले पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। उनके साथ ही वह खुद भी आग में झुलस गया। पुलिस ने झुलसे लोगों को जिला अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मुजफ्फरनगर के अंकित विहार निवासी नीरज की शादी डेढ़ साल पहले पिपरा कल्याण की उर्मिला से हुई थी। नीरज अपनी पत्नी पर शक करने लगा था जिसे लेकर उनके बीच विवाद होने लगा। उर्मिला मायके आ गई। सोमवार की रात आठ बजे नीरज भी अपनी ससुराल पहुंचा। वहां उसकी पत्नी उर्मिला और परिवार के अन्य सदस्य घर में मौजूद थे। बातचीत शुरू ही हुई थी कि उसने उर्मिला, सास रम्भा और ससुर छोटेलाल पर अचानक से मिर्च का पाउडर फेंक दिया। इसके बाद उसने पत्नी, सास-ससुर और साले के ऊपर पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दी।

अब बिजली निगम का टेंडर बाबू रंगे हाथ गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश के अलग-अगल जिलों में इन दिनों एंटी करप्शन टीम ऐक्शन मोड में है। ताजा कार्रवाई गोरखपुर जिले में हुई है जहां एंटी करप्शन टीम ने बिजली निगम के एक टेंडर बाबू को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एंटी करप्शन टीम ने बुधवार दोपहर बड़ी कार्रवाई करते हुए विद्युत वितरण मंडल द्वितीय, मोहद्दीपुर में तैनात टेंडर बाबू अभिषेक भारती को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। टीम ने उन्हें मंडल कार्यालय के बाहर से पकड़ा, जहां वह एक ठेकेदार से पांच हजार रुपये की घूस ले रहे थे।

प्रतापगढ़ जेल में एड्स से हड़कंप, 13 में से 7 किन्नर एचआईवी पॉजिटिव, एक निकला मर्द

प्रतापगढ़. यूपी के प्रतापगढ़ जिला जेल में लाइलाज बीमारी एड्स पहुंच गई है। दो दिन पहले जेल भेजे गए 13 किन्नरों में सात प्रारंभिक जांच में एचआईवी पॉजिटिव पाए गए हैं। सभी का ब्लड सैंपल जांच के लिए भेजा गया है। जानकारी होते ही जेल में हड़कंप की स्थिति है। पॉजिटिव किन्नरों को अलग से रखा गया है। नगर कोतवाली क्षेत्र के अचलपुर में रविवार को किन्नर के दो गुट मिस्बा और अंजलि के बीच मारपीट को लेकर दिन भर हंगामा हुआ था। शाम को फिर दोनों गुट टकराए तो एसआई प्रशांत दुबे ने दोनों गुट पर अपनी ओर से एफआईआर दर्ज कर शाम को 13 किन्नरों को जेल भेज दिया। जेल पहुंचे आरोपी वास्तव में किन्नर हैं या नहीं इसकी जांच के लिए डॉक्टर को बुलाया गया तो उसमें एक पुरुष निकला। बाद में सभी की एचआईवी जांच कराई गई तो सात किन्नर पॉजिटिव निकले। प्रांम्भिक रिपोर्ट पॉजिटिव होने पर सभी का ब्लड सैंपल जांच के लिए भेज दिया गया। इसकी जानकारी होते ही जेल में भी हड़कंप है।

घरवालों ने आशिक को मौत के घाट उतारा

फतेहपुर. यूपी के फतेहपुर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां प्रेमिका से मिलने आए इटावा के एक प्रेमी की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। मंगलवार सुबह उसका शव हरसिंहपुर रोड के किनारे पड़ा मिला। ग्रामीणों की सूचना पर मौका-ए-वारदात पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल के बाद शव को कब्जे में ले लिया। जांच में पता चला कि युवक अपनी प्रेमिका से मिलने आया था। युवती के रिश्तेदारों ने उसे मारा है। पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया। सूत्रों के मुताबिक, दोनों ने वारदात कबूल कर ली है। इटावा जिले के तानपुरा क्षेत्र के चौबिया निवासी 27 वर्षीय सौरभ यादव की मुलाकात कुछ दिन पहले इटावा में ही नौकरी कर रहे फतेहपुर जिले के हरसिंहपुर गांव निवासी एक युवक से हुई।

सुनीता विलियम्स बोलीं- भारत आना घर वापसी जैसा

- चांद पर जाना चाहती हूं, लेकिन मेरे पति मुझे इजाजत नहीं देंगे

भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स ने मंगलवार को कहा, इस समय दुनिया में अंतरिक्ष को लेकर एक तरह की होड़ (स्पेस रेस) चल रही है। कई देश चांद और अंतरिक्ष में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। लक्ष्य सिर्फ पहले पहुंचना नहीं है, बल्कि यह है कि इंसान सुरक्षित, टिकाऊ और लंबे समय तक रहने लायक तरीके से चांद पर जाए।

सुनीता ने यह बात दिल्ली के अमेरिकन सेंटर में 'आंखें सितारों पर, पैर जमीं पर' सेमिनार में कहीं। उन्होंने यह भी कहा कि यह काम सबके फायदे, सहयोग और पारदर्शिता के साथ, लोकतांत्रिक तरीके से किया जाना चाहिए, ताकि किसी एक देश का दबदबा न हो और पूरी मानवता को इसका लाभ मिले। सभी देश सहयोग के साथ आगे बढ़ें, बिल्कुल अंटार्कटिका मॉडल की तर्ज पर।

विलियम्स ने कहा- भारत आना उन्हें घर वापसी जैसा

विलियम्स ने कहा कि भारत आना उन्हें घर वापसी जैसा लगता है, क्योंकि उनके पिता गुजरात के मेहसाणा जिले के झूलासन गांव से थे। वहीं, चांद पर जाने के NDTV के सवाल पर मजाकिया लहजे में कहा, 'मैं चंद्रमा पर जाना चाहती हूं, लेकिन मेरे पति मुझे इजाजत नहीं देंगे। घर वापसी और जिम्मेदारी सौंपने का समय आ गया है। अंतरिक्ष खोज में अगली पीढ़ी को अपना स्थान बनाना होगा।''

सुनीता बोलीं- स्पेस से धरती देखने पर महसूस होता है कि हम सब एक हैं

- 60 साल की विलियम्स हाल ही में नासा से रिटायर हुईं हैं। उन्होंने अंतरिक्ष में 608 दिन बिताए हैं। 9 स्पेस वॉक भी किए हैं।
- **अंतरिक्ष में बिताए दिन पर :** क्या स्पेस ट्रैवल ने उनकी जिंदगी के नजरिए को बदला है, तो उन्होंने कहा- हां, बिल्कुल। जब आप धरती को स्पेस से देखते हैं, तो महसूस होता है कि हम सब एक हैं और हमें ज्यादा करीब से मिलकर काम करना चाहिए।
- **अंतरिक्ष में फैले कचरे पर :** पिछले एक दशक में यह एक बड़ी चुनौती बन गई है और इसे मैनेज करने के लिए नई टेक्नोलॉजी की जरूरत है।
- **अंतरिक्ष मिशन को याद किया :** इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (ISS) में बिताए समय और उस वक्त के चुनौतीपूर्ण दौर पर कहा, जब 8 दिन का मिशन तकनीकी दिक्कतों के कारण नौ महीने से ज्यादा का हो गया। इस दौरान ISS पर मल्टी-कल्चरल क्रू के साथ त्योहार मनाने के विजुअल्स भी दिखाए गए।

बीजेपी अध्यक्ष बनते ही नितिन नवीन ने लिए ताबड़तोड़ फैसले

विनोद तावड़े को केरल चुनाव की कमान

नई दिल्ली. बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभालते ही नितिन नवीन ने पहले ही दिन ताबड़तोड़ फैसले लिए हैं। उन्होंने वरिष्ठ नेता विनोद तावड़े को केरल विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव प्रभारी और चंडीगढ़ मेयर चुनाव के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। उनके साथ ही शोभा करंदलाजे को सह प्रभारी बनाया गया है। बता दें कि मंगलवार को ही उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने का औपचारिक ऐलान किया गया है। हालांकि कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने के बाद ही तय हो गया था कि नितिन नवीन बीजेपी का कमान पूरी तरह से संभालने जा रहे हैं।

बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की तरफ से जारी आदेश में कहा गया है कि तेलंगाना नगर और स्थानीय निकाय के चुनाव के लिए आशीष शेलार को चुनाव प्रभारी और अशोक परनामी व रेखा शर्मा को सह प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा वरिष्ठ नेता राम माधव को ग्रेटर बेंगलुरु निकाय

चुनाव का प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनके साथ सतीश पुनिया और संजय उपाध्याय को सह प्रभारी का दातित्व सौंपा गया है।

युवाओं का अह्वान

भाजपा मुख्यालय में पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में अपने नाम की घोषणा के बाद नवीन ने एक कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं से पश्चिम बंगाल समेत पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा की सफलता सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने, ₹सनातन परंपराओं और आस्था₹ की रक्षा करने और देश को जनसांख्यिकीय परिवर्तनों से बचाने का भी आह्वान किया।

उन्होंने कहा, "15 अगस्त, 2025 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के युवाओं से सार्वजनिक जीवन में प्रवेश करने का आह्वान किया था। मैं देश के युवाओं से कहना चाहता हूं कि राजनीति से दूर रहना समाधान नहीं, बल्कि सक्रिय योगदान देना ही समाधान है।"

राममंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष नृत्यगोपाल दास की तबीयत बिगड़ी

अयोध्या. अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत बिगड़ गई है। 87 साल के नृत्य गोपाल दास को सोमवार रात से उल्टी-दस्त हो रहे थे। बुधवार सुबह श्रीराम अस्पताल के रिटायर्ड डॉक्टर एसके पाठक ने उनका चेकअप किया। तुरंत उन्हें लखनऊ मेदांता ले जाने को कहा। जानकारी के मुताबिक, महंत ने पिछले 36 घंटे से कुछ भी नहीं खाया है।

श्रीराम हॉस्पिटल के प्रशासनिक अधिकारी वाईपी सिंह ने बताया- महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत खराब होने की सूचना मिली थी। डॉक्टर्स की टीम ने उनकी जांच की। इसके बाद मेडिकल टीम और एक एम्बुलेंस के साथ उन्हें मेदांता अस्पताल रवाना कर दिया गया। उनके उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास भी उनके साथ है। अब वहां से मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही आगे कोई जानकारी दी जा सकती है। बता दें कि नृत्य गोपाल दास श्रीकृष्ण जन्मभूमि न्यास के भी अध्यक्ष हैं। CM योगी जब कभी अयोध्या आते हैं तो वह महंत नृत्य गोपाल दास का हाल-चाल जानने और उनका आशीर्वाद लेने मणिरामदास जी की छावनी जरूर पहुंचते हैं।

लिव-इन संबंधों में रहने वाली महिलाओं को मिले पत्नी का दर्जा

- हाईकोर्ट ने पुरुषों की मंशा पर उठाए सवाल

चेन्नई. लिव इन रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़ों को लेकर मद्रास हाईकोर्ट ने हाल ही में एक बेहद अहम टिप्पणी की है। मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि लिव-इन संबंधों में रहने वाली महिलाओं को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पत्नी का दर्जा दिया जाना चाहिए। इस दौरान हाईकोर्ट ने हिन्दू रीति रिवाजों के तहत गंधर्व विवाह का जिक्र भी किया।

इस दौरान हाईकोर्ट ने तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली जिले के मनाप्पराई ऑल वुमन पुलिस स्टेशन द्वारा गिरफ्तार किए गए एक शख्स की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया। जानकारी के मुताबिक उस व्यक्ति पर शादी के झूठे वादे करके एक महिला के साथ यौन संबंध बनाने का आरोप था। सुनवाई के दौरान जस्टिस एस श्रीमति ने कहा कि आधुनिक सामाजिक ढांचे के तहत कमजोर महिलाओं की सुरक्षा करना अदालतों की जिम्मेदारी है, क्योंकि लिव-इन रिलेशनशिप में शादीशुदा महिलाओं को मिलने वाली कानूनी सुरक्षा नहीं होती है।

गंधर्व विवाह का जिक्र

लाइवलॉ ने अपनी एक रिपोर्ट में मदुरै कोर्ट के हवाले से कहा, ₹लिव-इन रिलेशनशिप में, महिलाओं को गंधर्व विवाह या प्रेम विवाह की तरह 'पत्नी' का दर्जा देकर संरक्षित किया जाना चाहिए, ताकि लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाली महिलाओं को पत्नी के रूप में अधिकार मिल सकें भले ही रिश्ता मुश्किल दौर से गुजर रहा हो।

'सनातन पर उदयनिधि का बयान हेट स्पीच'

- मद्रास HC बोला- उनकी बातें नरसंहार जैसी
- 2023 में स्टालिन ने कहा था- सनातन मलेरिया जैसा, इसे मिटा दो

चेन्नई. मद्रास हाईकोर्ट ने बुधवार को कहा कि तमिलनाडु के डिप्टी CM उदयनिधि स्टालिन की सनातन के खिलाफ की गईं बातें हेट स्पीच के दायरे में आती हैं। कोर्ट ने यह टिप्पणी स्टालिन के तीन साल पुराने बयान को लेकर की।

साल 2023 में उदयनिधि ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया से करते हुए कहा था कि इसे मिटा देना चाहिए। इस बयान का काफी विरोध हुआ। भाजपा आईटी विभाग के हेड अमित मालवीय ने स्टालिन के भाषण का वीडियो सोशल मीडिया पर डाला।

उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यह बयान देश के 80% सनातन धर्म मानने वालों के खिलाफ है। हालांकि स्टालिन की DMK पार्टी के एक नेता ने उल्टा मालवीय के खिलाफ केस कर दिया। आरोप लगाया कि मालवीय ने स्टालिन के बयान को तोड़-मरोड़ के पेश किया।

मालवीय ने एफआईआर के खिलाफ कोर्ट में याचिका लगाई। तीन साल बाद मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने अब FIR को रद्द कर दिया है। जस्टिस एस. श्रीमथी ने कहा कि मालवीय ने स्टालिन के बयान पर केवल प्रतिक्रिया दी थी। ऐसी प्रतिक्रिया पर केस चलाना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा।

हाईकोर्ट ने कहा कि दुख की बात यह है कि हेट स्पीच देने वाले पर कोई केस नहीं, जबकि उस पर प्रतिक्रिया देने वाले पर FIR दर्ज कर दी गई।

आज की स्थिति में हेट स्पीच शुरू करने वाले बच जाते हैं और सवाल उठाने वालों को कानून का सामना करना पड़ता है।

सनातन को खत्म करने जैसे शब्दों का अर्थ सिर्फ विरोध नहीं, बल्कि उसे मानने वालों के अस्तित्व पर सवाल उठाने जैसा है, जो हेट स्पीच की श्रेणी में आता है।

स्टालिन का यह बयान नरसंहार या संस्कृतिक नरसंहार का संकेत देता है। तमिल शब्द "Sanathana Ozhippu" का मतलब सिर्फ विरोध नहीं, बल्कि पूरी तरह मिटाना है।

Zomato वाले गोयल का CEO पद से इस्तीफा

नई दिल्ली. इटरनल (Zomato की पेरेंट कंपनी) के फाउंडर और ग्रुप CEO दीपिंदर गोयल ने एक बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने शेयरधारकों को चिट्ठी लिखकर बताया है कि वह अब ग्रुप CEO की भूमिका से 1 फरवरी 2026 से हटेंगे। हालांकि, वह कंपनी से पूरी तरह अलग नहीं होंगे और शेयरहोल्डर्स की मंजूरी के बाद वाइस चेयरमैन के तौर पर इटरनल से जुड़े रहेंगे। उनकी जगह अब अलबिंदर ढिंडसा को इटरनल का नया ग्रुप CEO बनाया जाएगा। कंपनी ने साफ किया है कि यह बदलाव एक सोची-समझी रणनीति के तहत किया जा रहा है ताकि मैनेजमेंट और भविष्य की योजनाओं पर बेहतर फोकस किया जा सके।

वायुसेना का ट्रेनी विमान क्रैश

- इंजन में खराबी के बाद तालाब में गिरा, दोनों पायलट बचाए गए

प्रयागराज. प्रयागराज में वायुसेना का ट्रेनी विमान हादसे का शिकार हो गया है। इंजन में तकनीकी खराबी के बाद विमान तालाब में गिर गया। विमान में सवार दोनों पायलटों को बचा लिया गया है। स्थानीय लोगों ने दोनों को निकालकर अस्पताल भेजा है। हादसा जार्ज टाउन थाना क्षेत्र के सीएमपी कॉलेज के पास हुआ है। स्थानीय पुलिस, एसडीआरएफ की टीम और वायुसेना की टीम भी हेलीकाप्टर राहत-बचाव के लिए पहुंची है। विमान को अब तालाब

से निकालने की कोशिश हो रही है। संयोग से तालाब में जलकुंभी होने से विमान डूबा नहीं और दोनों पायलटों को आसानी से बचा लिया गया।

बताया जाता है कि वायुसेना का ट्रेनी विमान बमरौली एयरबेस से उड़ा था। विमान पर दो पायलट सवार थे। कहा जा रहा है कि अचानक इसके इंजन में तकनीकी खराबी आ गई। इसके बाद पायलटों ने विमान का पैराशूट खोल दिया। एक धमाके के साथ पैराशुट खुला तो विमान को रिहाइशी इलाके से दूर केपी कॉलेज के पीछे तालाब की तरफ मोड़ दिया गया। इसके बाद जलकुंभी से भरे तालाब में विमान गिर गया। पैराशूट खुलने की आवाज सुनने और विमान को गिरता देख स्थानीय लोगों की भीड़ तालाब के पास जुट गई। तालाब में जलकुंभी होने के कारण विमान डूब नहीं पाया और पायलट भी कुछ देर में ही बचा लिए गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल दोनों पायलटों को विमान से बाहर निकाला और हल्की चोट लगने के कारण एंबुलेंस बुलाकर अस्पताल भेजा।

सूर्या बोले- ईशान किशन नंबर-3 पर खेलेंगे

- श्रेयस अय्यर को मौका नहीं;
- न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत का पहला टी-20 आज

ईशान 4 मैच नंबर-3 पर खेल चुके

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहले टी20 मैच से पहले कप्तान सूर्यकुमार यादव ने साफ किया है कि ईशान किशन नंबर तीन पर बल्लेबाजी करेंगे। नागपुर में हुई प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में सूर्यकुमार ने कहा कि ईशान टी-20 वर्ल्ड कप 2026 की योजना का हिस्सा हैं और घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

उन्होंने कहा- टीम मैनेजमेंट को लगता है कि नंबर तीन के लिए ईशान सबसे मजबूत विकल्प हैं और उन्हें मौके मिलने चाहिए। वहीं 25 महीने बाद वापसी कर रहे श्रेयस अय्यर को अभी मौका नहीं मिलेगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का पहला मुकाबला बुधवार को नागपुर में खेला जाएगा।

टी-20 इंटरनेशनल में ईशान किशन अब तक चार मैच नंबर तीन पर खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 114 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। उनका औसत 28.50 रहा है।

ईशान ने मार्च 2023 में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने 32 टी-20 खेले और 796 रन बनाए। औसत 25.67 रहा और छह अर्धशतक लगाए। उनका आखिरी टी20 मैच नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ था।

सैयद मुश्ताक अली के टॉप स्कोरर रहे

घरेलू क्रिकेट में ईशान का प्रदर्शन हाल में काफी मजबूत रहा है। वे सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025-26 के टॉप रन-स्कोरर रहे। झारखंड की ओर से खेलते हुए उन्होंने 10 मैचों में 517 रन बनाए। औसत 57.44 और स्ट्राइक रेट 197.32 रहा। इस दौरान उन्होंने दो शतक और दो अर्धशतक लगाए और टीम को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

LoC पर PAK की नापाक हरकत

- सर्विलांस कैमरे लगाते समय की गोलीबारी
- भारत का मुंहतोड़ जवाब

कुपवाड़ा. उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में 20-21 जनवरी की रात भारत और पाकिस्तानी सैनिकों के बीच गोलीबारी हुई। रक्षा सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह झड़प तब हुई जब 6 राष्ट्रीय राइफल्स के सैनिक केरन बाला इलाके में सीमा सुरक्षा को मजबूत करने और लाइन ऑफ कंट्रोल के साथ ब्लाइंड स्पॉट को खत्म करने के लिए हाई-टेक सर्विलांस कैमरे लगा रहे थे। पाकिस्तानी सैनिकों की गोलीबारी का भारतीय जवानों ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया।

पाकिस्तानी सैनिकों ने इंस्टॉलेशन को रोकने के लिए छोटे हथियारों से दो राउंड फायरिंग की, जिसके जवाब में भारतीय पक्ष से एक, सोच-समझकर जवाबी गोली चलाई गई। हालांकि दोनों तरफ से किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन भारतीय सेना ने घने जंगल वाले इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया है, क्योंकि उन्हें शक है कि आग का इस्तेमाल घुसपैठ की कोशिश से ध्यान भटकाने के लिए किया गया हो सकता है।

पूरे सेक्टर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है, क्योंकि सेना सर्दियों के महीनों में पारंपरिक घुसपैठ के रास्तों पर नजर रखने के लिए टेक्निकल सर्विलांस को अपग्रेड कर रही है।

इससे पहले, जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के ऊपरी इलाकों में आतंकवादियों का पता लगाने के लिए अभियान चलाया गया। इसके तीसरे दिन मंगलवार को सुरक्षा बलों ने कई लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। चतरू क्षेत्र के मन्द्राल-सिंहपुरा के पास सोनार गांव में रविवार को अभियान शुरू किया गया था और इस बीच हुई मुठभेड़ में एक 'पैराट्रूपर' शहीद हो गया तथा छिपे हुए आतंकवादियों द्वारा अचानक किए गए ग्रेनेड हमले से सात अन्य घायल हो गए।

आतंकवादी घने जंगल में भाग गए, लेकिन खाने-पीने की चीजें, कंबल और बर्तनों सहित बड़ी मात्रा में सर्दियों के सामान से भरे उनके ठिकाने का भंडाफोड़ किया गया। जम्मू जोन के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन तुती और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जम्मू महानिरीक्षक आर. गोपाल कृष्ण राव सहित वरिष्ठ अधिकारी भी मुठभेड़ स्थल पर पहुंच गए तथा वे अभियान की निगरानी के लिए वर्तमान में कई सेना अधिकारियों के साथ वहीं डेरा डाले हुए हैं।

रेलवे ने टिकट कैंसिल करने का बदला नियम

समय पर टिकट नहीं कराया रद्द, तो नहीं मिलेगा रिफंड

नई दिल्ली. भारतीय रेलवे ने अपने नियमों में बड़े बदलाव किए हैं। इसके मुताबिक अब वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस और अमृत भारत 2 ट्रेनों के यात्री अगर निर्धारित प्रस्थान समय से आठ घंटे से पहले, अपने कंफर्म टिकट रद्द करते हैं तो उन्हें एक भी पैसा वापस नहीं मिलेगा। रेल मंत्रालय द्वारा 16 जनवरी को जारी एक अधिसूचना के अनुसार, इन ट्रेनों के टिकट रद्द करने का शुल्क किराये का 25 प्रतिशत होगा, बशर्ते कि 'कंफर्म' टिकट 72 घंटे से पहले रद्द किए जाएं।

मंत्रालय ने रेल यात्री (टिकट रद्द करना और किराया वापसी) नियम, 2015 में संशोधन किया है और वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस के साथ-साथ अमृत भारत 2 ट्रेनों के लिए सख्त नियमों को अधिसूचित किया है। अधिसूचना के अनुसार, ''अगर ट्रेन के निर्धारित प्रस्थान समय से आठ घंटे से कम समय पहले टिकट रद्द किया जाता है, तो कोई रकम वापस नहीं दी जाएगी।'' वहीं अन्य ट्रेनों के मामले में, अगर कंफर्म टिकट निर्धारित प्रस्थान समय से चार घंटे से कम समय पहले रद्द किए जाते हैं, तो रिफंड के पात्र नहीं होंगे।

अधिसूचना के मुताबिक, ''अगर ट्रेन के निर्धारित प्रस्थान समय से 72 घंटे से पहले टिकट रद्द किया जाता है, तो रद्द करने का शुल्क किराए का 25 प्रतिशत होगा। वहीं अगर ट्रेन के निर्धारित प्रस्थान समय से 72 घंटे से लेकर आठ घंटे पहले तक टिकट रद्द किया जाता है तो इसका शुल्क किराये का 50 प्रतिशत होगा।'' अन्य ट्रेनों के लिए, अगर कंफर्म टिकट को निर्धारित प्रस्थान समय से 48 घंटे से 12 घंटे पहले रद्द किया जाता है तो किराये का 25 प्रतिशत नहीं लौटाया जाता है, जबकि ट्रेन के निर्धारित प्रस्थान समय से 12 घंटे से 4 घंटे पहले टिकट रद्द किया जाता है तो 50 प्रतिशत शुल्क लागू होता है।

संशोधित नियमों के बारे में बताते हुए रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''इसका मतलब यह है कि टिकट कंफर्म होने के बाद, इसे रद्द करने का न्यूनतम शुल्क टिकट की कीमत का 25 प्रतिशत है और यह अवधि के आधार पर 100 प्रतिशत तक जा सकता है।''

देरी से पहुंचे सांसद तो कट जाएगी सैलरी

नई दिल्ली. संसद के बजट सत्र में लोकसभा सचिवालय सांसदों की हाजिरी को लेकर एक नई शुरुआत करने जा रहा है। अब सांसदों की हाजिरी सदन के भीतर सीट पर बैठकर ही डिजिटल तरीके से लग पाएगी। यदि कोई सांसद देरी से सदन में पहुंचता है और तब तक हंगामे या किसी और वजह से सदन दिनभर के लिए स्थगित हो जाता है तो फिर माननीय की उस दिन की हाजिरी नहीं लग पाएगी। उन्हें एक दिन के वेतन-भत्ते से हाथ धोना पड़ेगा।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हम यह प्रावधान करने जा रहे हैं कि सदन में पहुंचकर ही हाजिरी लगाई जा सकेगी। अभी तक सदन के बाहर हाजिरी के लिए जो रजिस्टर होता था, अब उसे हटा देंगे। ऐसे सांसद जो रजिस्टर में हाजिरी लगाकर चले जाते थे, या सदन स्थगित होने के बाद पहुंचते थे, उनके लिए मुश्किल होगी। उन्हें सदन में जाना ही होगा।

उन्होंने कहा कि संसद की कार्यवाही डिजिटल हो चुकी है। अब उसमें एआई का इस्तेमाल परीक्षण के तौर पर चल रहा है। इसमें काफी निगरानी और सावधानी की जरूरत है। अभी परीक्षण के तौर पर वक्ताओं के भाषणों के अनुवाद में इसका इस्तेमाल किया जा रहा है। बाद में लोग उसे चेक करते हैं। यह 80 फीसदी तक सटीक है।

आईटी कंपनी की मदद से इसे 100 फीसदी सटीक बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। हमारी कोशिश है कि मानसून सत्र से अनुवाद को पूरी तरह से एआई संचालित कर देंगे। इससे फायदा यह होगा कि अभी अनुवाद के कारण चार घंटे में कार्यवाही का ब्योरा वेबसाइट पर अपलोड होता है। एआई के इस्तेमाल से यह आधे घंटे में हो जाएगा। अनुसंधान में भी एआई का इस्तेमाल किया जाएगा।

विपक्ष को अपनी बात रखनी चाहिए

जेल जाने पर मंत्रियों को पद से हटाने के प्रावधान से जुड़े विधेयक पर संसदीय समिति में विपक्ष शामिल नहीं हुआ लेकिन अब विपक्ष की तरफ से संकेत दिए गए हैं कि वह अपने विचार रखना चाहता है। इस बारे में पूछे जाने पर बिरला ने कहा कि यदि वे आते हैं तो उनके विचारों को समाहित करने का प्रयास किया जाएगा। बजट सत्र पर विपक्ष के संभावित रुख पर बिरला ने कहा कि वे चाहते हैं सदन चले। विपक्ष को अपनी बात चर्चा में रखनी चाहिए। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव में वह हर बात रख सकता है।

संक्षेप...

घर से तीन नाबालिग लड़कियां लापता

कल्याण. कल्याण में दो सगी नाबालिग बहनें और उनकी 13 वर्षीय भतीजी अपने घर से लापता हो गई हैं, और पुलिस उनकी तलाश कर रही है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। खडकपाड़ा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि 13 और 14 वर्षीय दोनों बहनें तथा उनकी रिश्तेदार 13 वर्षीय लड़की कल्याण के बरावे गांव की निवासी हैं। वे सभी सोमवार तड़के करीब साढ़े पांच बजे से लापता हैं। अधिकारी ने बताया कि परिजनों द्वारा काफी तलाश करने के बावजूद जब लड़कियों का पता नहीं चला तो उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि एक सूचना के आधार पर पुलिस की एक टीम को लड़कियों का पता लगाने के लिए लखनऊ भेजा गया है और इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता की धारा 137 (अपहरण) के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

केडीएमसी में मनसे ने शिवसेना को दिया समर्थन

केडीएमसी सहित सभी जगह महायुति का होगा महापौर -श्रीकांत शिंदे

कल्याण. महापौर पद के आरक्षण की घोषणा होने में केवल कुछ ही घंटे शेष रहते हुए कल्याण-डोंबिवली की राजनीति में एक और बड़ी राजनीतिक हलचल देखने को मिली। केडीएमसी में सत्ता गठन के लिए मनसे द्वारा शिवसेना और महायुति को समर्थन दिए जाने की महत्वपूर्ण जानकारी सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने मीडिया से बातचीत के दौरान दी है। कोकण विभागीय आयुक्त के समक्ष गुट स्थापना के लिए शिवसेना के 53 नगरसेवकों के साथ मनसे के नगरसेवक भी आज उपस्थित थे। इस गुट पंजीकरण के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए सांसद डॉ. शिंदे ने यह जानकारी दी।

कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका में शिवसेना, भाजपा और मनसे मिलकर सत्ता स्थापित करेंगे और गठबंधन से ही महापौर का चुनाव होगा, ऐसा ठोस विश्वास सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने व्यक्त किया है। डॉ.शिंदे ने कहा कि केडीएमसी में शिवसेना ने 53 नगरसेवकों का आधिकारिक गुट गठित किया है, वहीं मनसे ने भी अपने नगरसेवकों का गुट गठित करने की पहल की है। मनसे ने शिवसेना को समर्थन दिया है और यह समर्थन विकास और स्थिर प्रशासन के लिए है। भाजपा और शिवसेना ने गठबंधन में चुनाव लड़ा है और अब कल्याण-डोंबिवली सहित अन्य सभी महानगरपालिकाओं में महायुति ही सत्ता स्थापित करेगी। शिंदे ने आगे कहा कि विकास के लिए जो भी साथ आएगा, उसका स्वागत है। कल्याण-डोंबिवली मनपा में स्थिरता बनी रहे और विकास कार्य अच्छे ढंग से हों, यही मनसे की भी भूमिका है। मनसे नेता राजू पाटील के संदर्भ में बोलते हुए सांसद डॉ.श्रीकांत शिंदे ने कहा कि राजू पाटील मेरे मित्र हैं। विकास के लिए हमें एकजुट रहना चाहिए, ऐसा उनका भी मत रहा होगा, इसलिए उन्होंने महायुति को समर्थन दिया है।

गणतंत्र दिवस पर लाखों विद्यार्थियों का सामूहिक परेड

कल्याण. देश के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी को कल्याण–डोंबिवली महानगरपालिका क्षेत्र में अध्ययनरत लाखों विद्यार्थी देशभक्ति गीतों पर संगीतबद्ध सामूहिक मार्च परेड में सहभागी होंगे। इस उपक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में देशभक्ति, अनुशासन और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया जाएगा। महाराष्ट्र राज्य के शिक्षा संचालक द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार 26 जनवरी को राज्य की सभी माध्यमों की शासकीय व निजी प्रबंधन की शालाओं में गणतंत्र दिवस विविध उपक्रमों के साथ मनाया जाएगा। इसी के तहत कल्याण–डोंबिवली महानगरपालिका के शिक्षा विभाग ने 8 दिसंबर 2025 को परिपत्र जारी कर सभी शालाओं को विद्यार्थियों की सामूहिक मार्च परेड का अभ्यास कराने के निर्देश दिए थे।

परिपत्र के अनुसार महानगरपालिका क्षेत्र की सभी प्रबंधन की शालाओं में पिछले एक माह से विद्यार्थियों को प्रतिदिन 20 मिनट का संगीतबद्ध सामूहिक मार्च परेड अभ्यास कराया जा रहा है। साथ ही प्रत्येक शनिवार को कम से कम एक घंटे का विशेष अभ्यास भी शुरू किया गया है, ताकि विद्यार्थियों की तैयारी को और सुदृढ़ किया जा सके।

26 जनवरी को कल्याण–डोंबिवली महानगरपालिका के प्रत्येक गट तथा सीआरसी अंतर्गत आने वाली शालाओं की सामूहिक मार्च परेड आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर गट एवं सीआरसी स्तर पर विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गीतों पर तालबद्ध मार्च परेड का भव्य प्रदर्शन किया जाएगा।

माघी गणेशोत्सव शुरू

- भजन, गायन और कीर्तन से भक्ति रस में डूबा इलाका

टिटवाला. आज 22 जनवरी से हर जगह माघी श्री गणेशोत्सव मनाया जा रहा है और टिटवाला में श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट ने भक्तिमय माहौल में माघी श्री गणेशोत्सव शुरू कर दिया है। सोमवार से ही त्योहार बड़े जोश के साथ शुरू हो गया था, माघ शुद्ध प्रतिपदा के मौके पर ज्योतपूजन, भजन, गायन और रात में कीर्तन से मंदिर परिसर भक्ति रस में डूब गया था। पूरे दिन भक्तों की अच्छी-खासी भीड़ देखी गई।

मंगलवार, 20 जनवरी को त्योहार के दूसरे दिन सुबह 9.30 से 11.30 बजे तक भजन का प्रोग्राम रखा गया। दोपहर 2.30 से 3.30 बजे तक फिर से भजन हुए, जबकि शाम 4.30 से 6.30 बजे तक डांस का प्रोग्राम रखा गया और H.B.P. का कीर्तन हुआ। श्री गणेश गोविंद गाडगिल (कल्याण) का आयोजन रात 8.30 से 11.00 बजे तक किया गया।

बुधवार, 21 जनवरी को माघ शुद्ध तृतीया के दिन सुबह और दोपहर में भजन, शाम को गायन और रात में कीर्तन का प्रोग्राम हुआ. गुरुवार, 22 जनवरी को माघ शुद्ध चतुर्थी यानी श्री गणेश जन्मोत्सव मनाया जाएगा, जिसमें सुबह स्पेशल कीर्तन, दोपहर में श्री गणेश जन्मोत्सव और महाआरती, दोपहर में भजन और रात 8 बजे 'श्री' की पालकी की रस्म भक्तिभाव से होगी।

शुक्रवार, 23 जनवरी को माघ शुद्ध पंचमी के दिन सुबह और दोपहर में भजन, शाम को डांसर अश्विनी केवटकर जोशी का डांस परफॉर्मेंस और रात 8.30 से 11.00 बजे तक ललिता का कीर्तन होगा और फेस्टिवल खत्म हो जाएगा। त्योहार के दौरान, हर रात 9.00 बजे श्री की आरती की जाती है, और श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट ने टिटवाला और आस-पास के इलाके के भक्तों से बड़ी संख्या में भाग लेने और माघी श्री गणेशोत्सव का आध्यात्मिक लाभ उठाने की अपील की है।

मुंबई में बिहार भवन को लेकर सियासत तेज

- मनसे का नीतीश सरकार पर निशाना

मुंबई. मुंबई में प्रस्तावित बिहार भवन को लेकर अभी से राजनीति शुरू हो गई है। राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने विरोध जताया है। हाल के बीएमसी चुनाव के दौरान भी उत्तर भारतीयों का विरोध करती रही मनसे का कहना है कि बिहार सरकार को मुंबई में बिहार भवन बनाने के बजाय बिहार में ही अच्छी चिकित्सा सुविधाओं का विकास करना चाहिए। मुंबई में बिहार भवन बनाने के लिए बिहार सरकार ने 314.20 करोड़ रुपयों की मंजूरी दी है। इसके लिए एक एकड़ भूमि मुंबई में मुंबई पोर्ट ट्रस्ट से 90 वर्ष की लीज पर ली जा चुकी है। बिहार फाउंडेशन के मुंबई प्रवक्ता मनोज सिंह राजपूत के अनुसार मुंबई में बिहार भवन का निर्माण कार्य जल्द शुरू होने जा रहा है।

इसके लिए पिछले वर्ष बॉम्बे पोर्ट ट्रस्ट की करीब एक एकड़ जमीन मुंबई में आवंटित की गई थी। इस वर्ष बिहार कैबिनेट ने मुंबई में बिहार भवन निर्माण कार्य के लिए 314 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की है।

यह भवन अत्याधुनिक वर्ल्ड क्लास सुविधाओं से सुसज्जित होगा। 70 मीटर ऊंचाई वाले इस भवन में रेजिडेंट कमिश्नर, निवेश आयुक्त, पर्यटन विभाग, कला संस्कृति विभाग एवं बिहार फाउंडेशन का कार्यालय होगा।

भवन में कैंसर मरीजों के लिए 240 बिस्तर की सुविधा होगी

इसमें बिहार से आनेवाले कैंसर मरीजों के ठहरने के लिए 240 बिस्तरों की ड़ॉरमेटरी की सुविधा होगी। इसमें कुल 178 कमरे होंगे, 233 गाडियों की पार्किंग की सुविधा होगी। 72 सीटों वाला एक उच्च स्तरीय कांफ्रेंस हाल के साथ साथ कैफेटेरिया भी होगा।

नकली टोनर ज़ब्त

मुंबई. प्रतिष्ठित कंपनियों के नाम पर नकली वस्तुओं की बिक्री की जा रही है. पुलिस ने फोर्ट इलाके में एक जगह पर छापा मार कर 'कैनन' ब्रांड नाम वाले नकली पैक्ड टोनर और दूसरी वस्तुएं ज़ब्त कीं.हैं. इस ममाले में भरत मंडन चौधरी नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है. एमआरए मार्ग पुलिस स्टेशन में ईआईपीआर इंडिया की तरफ से नकली प्रोडक्ट बेचने की शिकायत की गयी थी. पुलिस उप निरीक्षक सूरज देवरे ने ईआईपीआर के कर्मचारियों की मदद से छापा मारा. पुलिस ने भरत मंडन चौधरी के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट, 1957 की धारा 51 और 63 के तहत FIR (नंबर 35) दर्ज किया गया है.

सड़क दुर्घटना में मारे गए युवक के

माता-पिता को 23.45 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश

ठाणे. ठाणे स्थित मोटर दुर्घटना दावा न्य ाय ाधिक र ण (एमसीटी) ने 2021 में तेज रफ्तार ट्रक से हुई सड़क दुर्घटना में मारे गए 18 वर्षीय सेल्समैन के माता-पिता को 23.45 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। एमसीटी की अध्यक्ष सदस्य रूपाली वी मोहिते ने मंगलवार को अपने आदेश में कहा कि ट्रक चालक के पास दुर्घटना से बचने का आखिरी मौका था, लेकिन वह अपने वाहन की गति को नियंत्रित करने में विफल रहा, जिसके कारण टक्कर हुई और फिर वह घटनास्थल से भाग गया। ट्रिब्यूनल ने ट्रक के बीमाकर्ता को दावेदारों को राशि का भुगतान करने और बाद में वाहन मालिक से इसे वसूलने का निर्देश दिया, जिसमें बीमा शर्तों के 'जानबूझकर उल्लंघन' का हवाला दिया गया क्योंकि घटना के समय चालक के पास वैध परिवहन लाइसेंस नहीं था। पीड़ित करण भीमा जाधव 17 अगस्त, 2021 ठाणे जिले के शिलफाटा की ओर मोटरसाइकिल से जा रहे थे, तभी मुंब्रा बाईपास रोड पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से उनकी दोपहिया गाड़ी को टक्कर मार दी।

जीत के बाद AIMIM की 'हिजाब वाली' पार्षद सहर शेख का वीडियो वायरल

ठाणे. ठाणे महानगरपालिका के वार्ड नंबर 30 से AIMIM की एक युवा 'हिजाब वाली' नेता पार्षद बनी हैं. इनका नाम सहर शेख है. सहर शेख के पिता युनूस शेख और शरद पवार गुट के नेता जितेंद्र आव्हाड के बीच अनबन ठाणे में किसी से छुपी नहीं है. अपनी बेटी की जीत पर यूनुस शेख ने कहा कि अल्लाह ने 'हिजाब वाली' बेटी को पूरे भारत में फेमस कर दिया. पिता और बेटी दोनों का ही वीडियो वायरल है.

'किसी लड़की के भविष्य के साथ मत खेलना'

अपने भाषण में यूनुस शेख ने जितेंद्र आव्हाड के चेतावनी देते हुए कहा, ₹अभी एक वॉर्निंग देता हूं. फ्यूचर में कभी किसी लड़की के मुस्तकबिल (भविष्य) के साथ मत खेलना. नहीं तो ये हमारी आवाम एक होकर कैसे विकेट गिराती है, देखा न? चाहे वो हिंदू हो, मुस्लिम हो, सिख हो या ईसाई हो, बेटी सबकी बेटी होती है.₹

पहले शरद पवार गुट से मांगा था टिकट

यूनुस शेख ने चुनाव से पहले शरद पवार गुट से अपनी बेटी के लिए टिकट मांगा था. बाद में AIMIM के साथ बात बन गई और सहर शेख ने जीत हासिल की. ठाणे महानगरपालिका में कुल 122 सीटे हैं. यहां असदुद्दीन ओवैसी की AIMIM ने पांच सीटों पर जीत हासिल की है. सहर शेख सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं. इंस्टाग्राम पर उनके 3 लाख 40 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स हैं.

'उन लोगों के घमंड की आपने धज्जियां उड़ा दी हैं'

जीत के बाद सहर शेख ने कहा, ₹उन लोगों के घमंड की आपने धज्जियां उड़ा दी हैं जिनको लगता है कि हम ताल्लुक (पहचान) के मोहताज हैं. वो भूल गए कि हम सिर्फ अल्लाह के मोहताज हैं, किसी के बाप के मोहताज नहीं हैं. 30 नंबर पैनल ने ये साबित किया है. मैं शुक्रगुजार हूं आप सबकी, जिस तरीके से बढ़ चढ़कर आपने सब ने AIMIM पार्टी के सभी उम्मीदवारों को जिताया है.₹

वेश्यावृत्ति के धंधे में शामिल महिला दलाल गिरफ्तार

- दो पीड़ितों को बचाया, 3 पर मामला दर्ज

भिवंडी. ठाणे पुलिस आयुक्त कार्यालय की अपराध शाखा के अनैतिक मानव तस्करी रोकथाम प्रकोष्ठ ने वेश्यावृत्ति के धंधे में दलाली करने वाली और उसके जरिए आर्थिक लाभ कमाने वाली एक महिला 40 वर्षीया मुशारत अंसार मिर्जा को गिरफ्तार किया है जो मुंबई के सांताक्रूज पूर्व की निवासी हैं. दो पीड़ित महिलाओं को बचाया गया है और तीन अन्य महिलाओं के खिलाफ पीटीए अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है.

अनैतिक मानव तस्करी रोकथाम प्रकोष्ठ को सूचना मिली थी कि भिवंडी तालुका के गोवे नाका स्थित होटल संदीप वेजेस में वेश्यावृत्ति के धंधे में लगी एक महिला दलाल कुछ पीड़ित महिलाओं का शोषण कर रही थी और इससे आर्थिक लाभ कमा रही थी. पुलिस ने उस स्थान पर छापा मारा और मुशर्रत अंसार मिर्जा हीस को गिरफ्तार कर लिया तथा उसकी हिरासत से 36 और 33 वर्ष की दो पीड़ित महिलाओं को छुड़ा लिया. तीनों महिलाओं के खिलाफ कोनगांव पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता अधिनियम, 2023 की धारा 143 (1) और 143 (3) तथा महिला एवं बालिकाओं की अनैतिक तस्करी (निषेध) अधिनियम, 1956 की धारा 4 और 5 के तहत मामला दर्ज किया गया है.

CHANGE OF NAME

My old Maiden Name is
VINITA SUNIL JAISINGHANI
Now My New Name is
VINITA SANDEEP WADHWA
Now I will be known as my new name
VINITA SANDEEP WADHWA
(As per Gazette No.M-25271840)
Add:. Sai Harigir Palace, Plot No.A-751/752, 6th Floor, Prem Nagar, Near Yoga Ashram, Ulhasnagar-421005., Dist. Thane.
Vinita Sandeep Wadhwa

आम सूचना

मैं श्रीमती सीमा जयहिंद चौहान सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, बैरक नं. 88 के पास, एमआयडीसी रोड, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 04एओ014200600) उक्त प्रॉपर्टी श्री देवकांत नागेंद्र चौधरी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 19.1.2026 सी.नं. 227/2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सीमा जयहिंद चौहान

आम सूचना

मैं श्रीमती सुनिता प्रभाकर मिरपगार सभी को सूचित कर रही हूं कि फ्लैट नं. 302, उदित्य अपार्टमेंट, ब्लॉक ए 429/858, सुभाष टेकड़ी, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 39डीओ013373900) उक्त प्रॉपर्टी श्री प्रभाकर तानाजी मीरपगार के नाम पर है उनका निधन 15.7.2024 को हो गया है। प्रनिता प्रभाकर मीरपगार व प्रतीक प्रभाकर मीरपगार ने रिलीज एग्रीमेंट दि. 7.1.2026 सी.नं. 03/2026 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सुनिता प्रभाकर मिरपगार

'मुझे भाषा बोलने के लिए मजबूर मत करो'

- सुनील शेट्टी बोले- मराठी किसी के दबाव में नहीं, अपनी इच्छा से बोलेंगे

बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी ने हाल ही में कहा कि किसी को जबरदस्ती भाषा बोलने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर कोई उनसे यह कहे कि मराठी बोलना अनिवार्य है, तो वे साफ कहते हैं कि ऐसा जरूरी नहीं है। वे मराठी अपनी इच्छा से बोलेंगे, न कि किसी दबाव में।

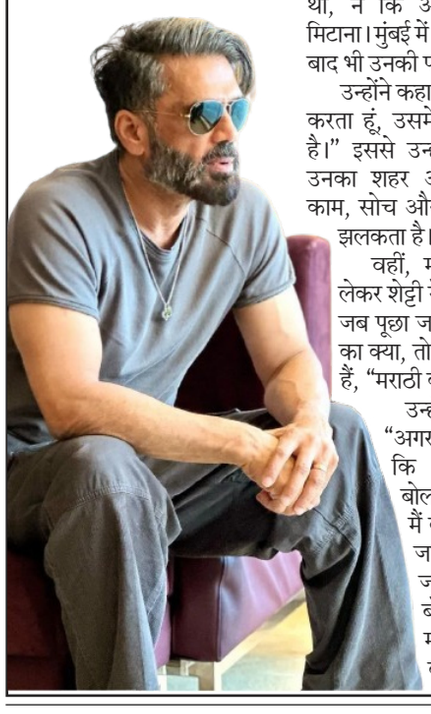

न्यूज़ एजेंसी ANI के एक इवेंट में सुनील शेट्टी ने कहा कि जब वे कम उम्र में अपने घर से बाहर निकले, तो इसका मतलब यह नहीं था कि वे अपनी पहचान छोड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा, "मैं बहुत छोटी उम्र में यहां (कर्नाटक) से बाहर गया था, किसी और जैसा बनने या कोई और बनने के लिए नहीं।" उनके लिए बाहर जाना सिर्फ बेहतर मौके तलाशने का जरिया था, न कि अपनी जड़ों को मिटाना। मुंबई में करियर बनाने के बाद भी उनकी पहचान वही रही।

उन्होंने कहा, "मैं जो कुछ भी करता हूं, उसमें मंगलुरु मौजूद है।" इससे उन्होंने बताया कि उनका शहर आज भी उनके काम, सोच और मूल्यों में साफ झलकता है।

वहीं, मराठी भाषा को लेकर शेट्टी ने कहा कि उनसे जब पूछा जाता है कि मराठी का क्या, तो इस पर वे कहते हैं, "मराठी का क्या?"

उन्होंने आगे कहा, "अगर कोई मुझसे कहे कि तुम्हें मराठी बोलनी ही पड़ेगी, तो मैं कहता हूं कि यह जरूरी नहीं है। मैं जब चाहूं, तब बोलूंगा। मुझे मजबूर मत करो।"

'परोपकार' सेवा संस्था द्वारा जरूरतमंदों को खाद्य सामग्री वितरित

- 701 लोगों को दिया गया मुफ्त राशन

भिवंडी. सामाजिक सांस्कृतिक संस्था परोपकार द्वारा पद्मानगर स्थित तेलुगु समाज हॉल में आयोजित सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। परोपकार सेवा संस्था द्वारा प्रति वर्ष मकर संक्रांति के पावन अवसर उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है. उक्त कार्यक्रम में परोपकार ठाणे-भिवंडी समिति के अध्यक्ष उद्योगपति मनोज दुढानी सहित उद्योगपति मुरली तापड़िया, मनपा शिक्षण मंडल पूर्व सभापति राजू गाजेंगी, पत्रकार गुरुप्रसाद सिंह, रमेश मूंदड़ा, नारायणजी बाहेती, एड. वेंकटेश चिटकेन, परमेश्वर अंभोरे, पवन बागड़ी, भरत गालीपेल्ली, वेमुल नरसैया, ओमप्रकाश झंवर, ओमजी सोमाणी, संजय कोठारी, उद्योगपति द्वारकाजी असावा तथा भिवंडी महिला माहेश्वरी समाज की अध्यक्षा श्रीमती बबीता असावा वा अन्य गणमान्य व्यक्ति भारी संख्या में उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम में 701 जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। इस मौके पर सामान पाने वाले जरूरतमंदों में खुशी दिखाई दी. उपस्थित सभी गणमान्यजनों ने परोपकार सेवा संस्था द्वारा जनहित अंजाम दिए जा रहे तमाम सेवा कार्य की सराहना की और समाज में ऐसे जनकल्याणकारी आयोजनों को निरंतर आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। समिति के अध्यक्ष मनोज दुढानी ने बताया कि परोपकार संस्था अनेक वर्षों से सामाजिक, सांस्कृतिक जनहित कार्यों को अंजाम देकर लोगों की सेवा कर रही है.

परोपकार द्वारा प्रतिवर्ष बच्चों को शिक्षा के लिए सहायता, शिक्षण सामग्री का वितरण, फीस में योगदान के अलावा गणेश विसर्जन के अवसर पर गणेश भक्तों को एक लाख वड़ा पाव का वितरण किया जाता है.

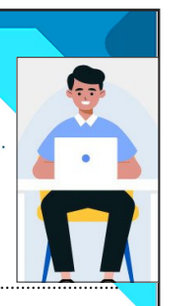

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099